तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 37 अंक 119 | कोरबा, गुरुवार, दिनांक 29 जनवरी 2026 डाक 30 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा — भाजपा की राजनीतिक योजना क्या है?

देश-विदेश — जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में बड़ी साजिश नाकाम, आतंकियों की तलाश में जुटी सेना

फीचर पेज — बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू को क्यों नहीं मिली जगह, डायरेक्टर अनुराग सिंह ने तोड़ी चुप्पी

अलविदा अजित पवार, पंचतत्व में विलीन हुए महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम

नईदिल्ली 29 जनवरी [एजेंसी]।

महाराष्ट्र के पुणे जिले में गुरुवार को बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान में नेश्नलिस्ट कांग्रेस पार्टी के चीफ रहे अजित पवार पंचतत्व में विलीन हो गए। बुधवार को बारामती हवाई अड्डे के पास रनवे से सिर्फ 200 मीटर की दूरी पर विमान के दुर्घनटनाग्रस्त हो जाने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ हुआ। पवार के अंतिम संस्कार के दौरान अजित दादा अमर रहे के नारे लगे। विद्या प्रतिष्ठान में हजारों की मौजूदगी में पवार को उनके बेटे पार्थ और जय ने मुखाग्नि दी।

अंतिम संस्कार के दौरान गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, बीजेपी चीफ नितिन नवीन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे। मनसे चीफ राज ठाकरे, शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे समेत कई नेता मौजूद रहे। दादा के नाम से मशहूर 66 वर्षीय अजित पवार के निधन से न केवल महाराष्ट्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में एक बड़ा खालीपन पैदा हुआ है, बल्कि उनकी अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के भविष्य पर भी सवाल खड़े हो गए है। अजित पवार के चाचा और NCP के संस्थापक शरद पवार ने कहा कि यह एक दुर्घटना थी और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। इन सबके बीच दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विमान से बरामद किए जाने वाले 'ब्लैक बॉक्स' का विश्लेषण किया जाएगा। 'वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' की ओर से संचालित 16 साल पुराना चार्टर्ड विमान 'लियरजेट' बारामती हवाई अड्डे पर दूसरी बार लैंडिंग का प्रयास करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। अजित पवार राज्य में जिला परिषद चुनाव के प्रचार अभियान के तहत जनसभाओं को संबोधित करने के लिए मुंबई से बारामती जा रहे थे।

दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन सुमित कपूर भी शामिल हैं, जिनके पास 15,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव रखने वाली सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) विधिप जाधव और विमान परिचारिका पिंकी माली की भी इस हादसे में मौत हो गई। पवार, अपने पीछे 2 बेटे जय और पार्थ, पत्नी सुनेत्रा समेत भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन के बाद न सिर्फ महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति में भी एक खालीपन आ गया है। 6 बार के डिप्टी सीएम रहे पवार के बारे में कई नेताओं ने सार्वजनिक मंचों से कहा था कि वह एक बार सीएम जरूर बनेंगे। हालांकि पवार का यह सपना उनके साथ चला गया।

औरंगाबाद और रांची में छापेमारी, अनाज कारोबारियों के ठिकानों पर एक साथ छापा

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय में बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की संयुक्त टीम ने दो अनाज कारोबारियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई महराजगंज रोड स्थित धान व्यवसायी विश्वजीत जायसवाल के आवास तथा देव थाना क्षेत्र के देव मुख्य पथ पर स्थित राइस मिल संचालक नितेश कुमार के कार्यालय पर की जा रही है। इसके रांची के ठीकानों पर भी छापेमारी चल रही है। बताया जाता है कि विश्वजीत जायसवाल धान, मक्का और गेहूं के बड़े कारोबारी हैं और बिहार के अलावा अन्य राज्यों में भी अनाज की आपूर्ति करते हैं। वहीं नितेश कुमार राइस मिल के माध्यम से धान और चावल के कारोबार से जुड़े हुए हैं। पटना से पहुंची ईडी और आयकर विभाग की टीम सीआरपीएफ जवानों के साथ दोनों स्थानों पर पहुंची और एक साथ कार्रवाई शुरू की। छापेमारी के दौरान फाइलों, दस्तावेजों और अनाज कारोबार से जुड़े लेन-देन के रिकॉर्ड की गहन जांच की जा रही है।अधिकारियों के अनुसार छापेमारी की कार्रवाई फिलहाल जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला किस प्रकृति का है और आगे क्या कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को लेकर जिले में दिनभर चर्चाओं का माहौल बना रहा।

बंगलूरू जा रही निजी बस में अचानक लगी आग कुछ ही मिनट में हो गई खाक, झुलसे 10 यात्री

बंगलूरू। कर्नाटक में आज एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। यहां होसानगर से बंगलूरु जा रही एक निजी बस में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। जिस समय यह घटना हुई, बस में कुल 36 यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के भी जान का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, बस से बाहर निकलने और अफरा-तफरी के बीच दस यात्री मामूली रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस ने बताया कि सभी यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान क्या भारत ने किया था PAK के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमला

नईदिल्ली 29 जनवरी [एजेंसी]।

क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना ने किराना हिल्स पर हमला किया था। यही वो सवाल है जो पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आया। अब ये सवाल फिर से देश की जनता के सामने आया है कि क्या भारत ने पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने को निशाना बनाया था। दरअसल, वायु सेना ने गणतंत्र दिवस पर एक वीडियो जारी किया है जिसमें पाकिस्तान के सरगोधा में न्यूक्लियर बेस पर हमला होते हुए दिखाया गया है। इतना ही नहीं साथ में भारतीय जेट्स राफेल, सुखोई, जगुआर और तेजस के फुटेज और शांति के रखवाले जैसे शब्द भी हैं। भारतीय वायुसेने के वीडियो में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नूर खान बेस और पाकिस्तान के दूसरे मिलिट्री ठिकानों पर हमले की तस्वीरें भी दिखाई गई हैं और हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय हमलों ने पाकिस्तान को शांति की अपील करने पर मजबूर कर दिया। गणतंत्र दिवस के मौके पर जारी वीडियो में फाइटर जेट्स का सिंदूर फॉर्मेशन दिखाया और कहा गया, मैं (फाइटर जेट) शांति का अटूट गारंटर हूं। अगर कोई बुरी नजर इस शांति को तोड़ने की हिम्मत करती है तो मैं शांति के भयंकर रक्षक के रूप में खड़ा होता हूं। अचूक, अभेद्य, सटीक। पिछले साल इस बात पर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या भारत ने किराना हिल्स पर हमला किया था, क्योंकि इसे पाकिस्तान के न्यूक्लियर हथियारों के गोदामों में से एक माना जाता है। 12 मई, 2025 को संघर्ष के बीच, मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए, एयर मार्शल भारती ने तब मुस्कुराते हुए कहा था, ÷हमने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया है, वहां जो कुछ भी है। मैंने कल अपनी ब्रीफिंग में इस बारे में नहीं बताया था। पिछले साल ऑपरेशन पर एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान एयर मार्शल ए के भारती ने कहा था कि भारत ने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया था। अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए लेटेस्ट वीडियो के बारे में पूछे जाने पर भारतीय वायुसेना ने भी यही रुख बनाए रखा। वायुसेना के प्रवक्ता विंग कमांडर जयदीप सिंह ने कहा, हम अभी भी ऑफिशियल वर्जन पर कायम हैं।

बम की धमकी के बाद पुलिस अलर्ट, सभी स्कूलों के आसपास Police बल तैनात

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने एक पब्लिक नोटिस जारी किया है। पुलिस के मुताबिक एहतियाती कदम के तौर पर 29 जनवरी से सभी स्कूलों के अंदर और आसपास पुलिस फोर्स की रेगुलर तैनाती सुनिश्चित की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। दरअसल, यूटी चंडीगढ़ के कई स्कूलों को बम से संबंधित धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए थे। जैसे ही यह जानकारी पुलिस को मिली, बिना किसी देरी के तुरंत कार्रवाई की गई। जानकारी मिलते ही एंटी-सबोटेज टीम, बम निरोधक दस्ता, स्थानीय पुलिस बल, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस सेवाएं और पीसीआर टीमें संबंधित स्कूलों में तुरंत पहुंच गईं। सभी स्कूल परिसरों की बहुत ही बारीकी और गंभीरता से जांच की गई ताकि किसी भी तरह के खतरे को समय रहते टाला जा सके।

राजस्थान के भरतपुर में बड़ा हादसा

कासगंज से जयपुर आ रही बस ट्रेलर से भिड़ी, 4 लोगों की मौत

नई दिल्ली। राजस्थान के भरतपुर में आगरा-जयपुर हाईवे पर घने कोहरे के चलते एक स्लीपर बस सड़क पर खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई। इस हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि राजस्थान के भरतपुर जिले में आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे पर घने कोहरे के बीच एक स्लीपर बस एक खड़े ट्रेलर ट्रक से टकरा गई, इस दर्दनाक हादसे में मां-बेटे सहित चार लोगों की मौत हो गई।मरने वालों में एक महिला और उसका आठ साल का बेटा शामिल है।यह हादसा बुधवार रात सेवर पुल के पास हुआ, जब उत्तर प्रदेश के कासगंज से आ रही बस जयपुर जा रही थी। सेवर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर सतीश शर्मा ने कहा, घायलों को ऋरू अस्पताल ले जाया गया है, जबकि शवों को मुर्दाघर में रखा गया है। मृतकों के परिवारों को सूचित कर दिया गया है और उनके आने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के सतोवा गांव की गीता (38), उनके बेटे कान्हा (8), अलवर जिले के कठूमर के बस ड्राइवर मुखन सिंह (28) और कासगंज के रहने वाले मुस्लिम (40) के रूप में हुई है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि हादसे के समय घना कोहरा था। पुलिस ने बताया कि ट्रेलर ट्रक खराब हो गया था और बिना बैरिकेड या चेतावनी संकेत के सड़क पर खड़ा था।

लैंड फॉर जॉब केस: दिल्ली की कोर्ट से लालू परिवार को मिली राहत, मीसा भारती और हेमा यादव हुईं पेश

नईदिल्ली 29 जनवरी [एजेंसी]।

नौकरी के बदले जमीन से जुड़े सीबीआई मामले में लालू परिवार को कोर्ट में पेश होने को लेकर थोड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज गुरुवार को आरजेडी नेताओं लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव को एक फरवरी से 25 फरवरी के बीच आरोप तय होने के लिए पेश होने की छूट दी है।वहीं, मीसा भारती और हेमा यादव आज खुद दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुईं। इस दौरान उन्होंने चार्ज से इनकार किया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले को नौ मार्च से रोजाना ट्रायल और प्रॉसिक्यूशन के सबूत रिकॉर्ड करने के लिए लिस्ट किया है। कोर्ट ने नौ जनवरी को दिए आदेश में कहा था कि लालू परिवार सहित 41 लोगों के खिलाफ प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। वहीं, इस केस में 52 लोगों को बरी कर दिया गया था। पिछली सुनवाई के दौरान स्पेशल जज विशाल गोग्ने ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि लालू यादव और उनका परिवार एक आपराधिक गिरोह की तरह काम कर रहा था। अदालत के अनुसार, सरकारी नौकरियों के बदले संपत्ति हासिल करने की एक सुनियोजित साजिश रची गई।

रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म सरकार की पहचान, प्रधानमंत्री मोदी का संदेश-यह समय व्यवधान नहीं, समाधान का है

नईदिल्ली 29 जनवरी [एजेंसी]।

संसद का बजट सत्र गुरुवार से शुरू हो गया है। यह सत्र कई मायनों में खास रहने वाला है। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद परिसर में पत्रकारों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म को सरकार की नीति बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि साल 2026 के प्रारंभ में ही राष्ट्रपति ने संसद के सदस्यों के सामने जो अपेक्षाएं रखी हैं, वे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी सांसदों ने उन अपेक्षाओं को गंभीरता से लिया होगा और उसी भावना से आगामी कार्यवाही में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कई मार्गदर्शन वाली बातें हम सभी के सामने रखी थीं। सत्र के प्रारंभ में राष्ट्रपति ने सांसदों से अपेक्षाएं व्यक्त की हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि सभी सांसदों ने उनकी बातों को गंभीरता से लिया होगा। यह सत्र अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण सत्र होता है। धानमंत्री मोदी ने कहा कि आत्मविश्वास भरा भारत आज विश्व के लिए आशा की किरण भी बना है और आकर्षण का केंद्र भी बना है। भारत और यूरोपीय संघ का मुक्त व्यापार समझौता दिखाता है कि आने वाले वक्त में भारत के युवाओं का भविष्य कितना उज्ज्वल है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत के उत्पादक इस अवसर का इस्तेमाल अपनी क्षमताएं बढ़ाने के लिए करेंगे। मैं सभी तरह के प्रोड्यूसर्स से अपील करूंगा कि अब जब भारत-यूरोपियन यूनियन का मार्केट खुल गया है तो एक बहुत बड़ा मार्केट उपलब्ध है और हमारा सामान वहां कॉम्पिटिटिव कीमतों पर पहुंच सकता है। उन्हें सिर्फ हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हमें गुणवत्ता पर बल देना है। आज बाजार खुल गया है, तो हमें उत्तम से उत्तम गुणवत्ता वाला सामान लेकर बाजार में जाना है। 27 देशों के साथ हुआ यह समझौता हमारे देश के मछुआरों, किसानों, युवाओं और जो लोग सर्विस सेक्टर में जाने के लिए उत्सुक हैं, उनके लिए बड़े अवसर लेकर आ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश का ध्यान बजट की तरफ होना स्वाभाविक है, लेकिन इस सरकार की पहचान रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म रही है। हमने रिफॉर्म एक्सप्रेस पर तेजी से शुरुआत की है। मैं इस रिफॉर्म एक्सप्रेस को गति देने में उनके सकारात्मक योगदान के लिए सभी सांसदों का आभार व्यक्त करता हूं।

चांदी ने तोड़े सारे पुराने रिकॉर्ड, कीमत चार लाख के पार

नईदिल्ली 29 जनवरी [एजेंसी]।

अगर आप सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपको चौंका सकती है। सोने और चांदी की कीमतें लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। भारत से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार तक कीमती धातुओं में ऐसी तेजी देखने को मिल रही है, जैसी पहले कभी नहीं दिखी। भारत में सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है, जबकि चांदी चार लाख रुपये प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर कारोबार कर रही है। बाजार में चर्चा है कि अगर यही रुझान जारी रहा, तो आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को सोने की कीमत 5,591.61 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। स्पॉट गोल्ड 2.1त्न की तेजी के साथ 5,511.79 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। सोना इस सप्ताह अब तक 10त्न से अधिक चढ़ चुका है और सोमवार को पहली बार 5,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार किया था। चांदी भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। स्पॉट सिल्वर 118.061 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी, जबकि सत्र के दौरान इसने 119.34 डॉलर प्रति औंस का नया ऑल-टाइम हाई छुआ। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर बुधवार को सोना 1,66,355 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, चांदी 3,86,530 रुपये प्रति किलो के पर पहुंच गई। दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। बुधवार को चांदी 15,000 रुपये महंगी होकर 3.85 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। यह लगातार तीसरा दिन था जब चांदी में बड़ी तेजी दर्ज की गई। इससे पहले 26 जनवरी को चांदी के भाव में 40,500 रुपये की भारी छलांग लगी थी। सोना भी पीछे नहीं रहा। 99.9त्न शुद्धता वाला सोना बुधवार को 5,000 रुपये की तेजी के साथ 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

महिला दरोगा की ट्रक से कुचलकर मौत, सिपाही घायल

औरंगाबाद, 29 जनवरी [एजेंसी]।

नगर थाना क्षेत्र के जीटी रोड स्थित पिपरडीह मोड़ पर कल रात करीब साढ़े 9 बजे दर्दनाक सड़क हादसे में महिला दारोगा रिंकी कुमारी की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई, जबकि साथ रहे सिपाही भीम कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों दिन में विभागीय कार्य को लेकर थाना से एसपी कार्यालय आए थे। इसके बाद स्कूटी से जिला मुख्यालय से ढिबरा थाना जा रहे थे। रिंकी कुमारी और भीम कुमार दोनों ढिबरा थाना में पदस्थापित थे। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों की मदद से दोनों को तत्काल सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने महिला दारोगा को मृत घोषित कर दिया। घायल सिपाही का इलाज सदर अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अंबरीष राहुल, लाइन डीएसपी आकाश कुमार सहित कई पुलिस अधिकारी सदर अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। एसपी ने घटनास्थल पर भी मामले की जांच की। लाइन डीएसपी ने बताया कि महिला दारोगा जमुई जिले की रहने वाली थीं, जबकि उनके स्वजन पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में रहते हैं। स्वजनों से संपर्क कर लिया गया है और उनकी इच्छा के अनुसार शव भेजने की प्रक्रिया की जाएगी। इस हादसे से ढिबरा थाना, जिला पुलिस एवं पुलिस लाइन में शोक की लहर है।

42.983 किलो हेरोइन के साथ हथियारों की बड़ी खेप जब्त, 2 तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर 29 जनवरी। पंजाब पुलिस ने नशा और अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने विलेज डिफेंस कमेटी (वीडीसी) के सहयोग से एक बड़े नार्को-आर्म्स कंसाइनमेंट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 42.983 किलो हेरोइन, 4 हैंड ग्रेनेड, एक स्टार मार्क पिस्टल, .30 बोर के 46 जिंदा कारतूस और एक लावारिस मोटरसाइकिल बरामद की है। डीजीपी के अनुसार, यह हाल के दिनों में राज्य में नशा-हथियार नेटवर्क के खिलाफ की गई सबसे बड़ी बरामदगियों में से एक है। डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, एक बड़ी सफलता में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने ग्राम रक्षा समिति (वीडीसी) की मदद से नशीले पदार्थों और हथियारों की एक बड़ी खेप पकड़ी है और 42.983 किलोग्राम हेरोइन, 4 हैंड ग्रेनेड, एक स्टार मार्क पिस्तौल, 46 जिंदा .30 बोर कारतूस और एक लावारिस मोटरसाइकिल बरामद की है। इसके बाद की जांच में अमृतसर के रहने वाले 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया। फरार आरोपियों का पता लगाने, कब्जे की कड़ी की पुष्टि करने और बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है। पंजाब पुलिस ड्रग्स और हथियारों के नेटवर्क को खत्म करने और पूरे पंजाब में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्युत विभाग का सहायक अभियंता 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

कोरबा । एसीबी की टीम ने कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में बिजली विभाग के सहायक अभियंता को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी देते बताया जा रहा है कि उक्त अधिकारी ने एक किसान के खेत में ट्रांसफार्मर लगाने के नाम पर पैसों की मांग करी थी। जिसकी शिकायत किसान ने एसीबी में कर दी थी। शिकायत पर एक्शन लेते हुए एसीबी की टीम ने सहायक अभियंता को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक ये पूरा मामला दीपका थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत बिजली वितरण विभाग में पदस्थ सहायक अभियंता ने ग्राम रलिया निवासी किसान से खेत में ट्रांसफार्मर लगाने के एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग करी थी। पीड़ित किसान द्वारा इसकी शिकायत एसीबी में की थी। पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर एसीबी की टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया।पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार जैसे ही किसान सहायक अभियंता ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम ली। एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी की टीम ने सहायक अभियंता को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार करने के बाद उनके भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस कार्यवाही पश्चात विद्युत वितरण विभाग सहित अन्य विभागों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

लूट-डकैती के कार्यो में संलिप्त रहे 102 आरोपियों की थानों में कराई गयी परेड-दी सख्त हिदायत

कोरबा। कोरबा जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से कोरबा पुलिस द्वारा तड़के एक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान लूट एवं डकैती जैसे गंभीर अपराधों में पूर्व में संलिप्त रहे 102 आरोपियों को थाना तलब कर उनकी परेड कराई गई।

कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर जिले के समस्त थाना/चौकी क्षेत्रों में यह अभियान तड़के लगभग सुबह 4 बजे से शुरू किया गया। अभियान का उद्देश्य आदतन एवं असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना रहा।उक्त अभियान का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा लखन पटले एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया। तीनों अनुभागों के एसडीओपी तथा थाना-चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस द्वारा लूट, डकैती एवं अन्य गंभीर अपराधों में जेल जा चुके आदतन अपराधियों को उनके निवास स्थानों से थाना बुलाया गया। थाना परिसरों में सभी का सत्यापन, रिकॉर्ड परीक्षण एवं काउंसलिंग की गई। साथ ही भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में शामिल न होने की सख्त हिदायत दी गई।

जानकारी के अनुसार अभियान के दौरान सक्रिय पाए गए कथित आरोपियों के खिलाफ परिस्थितियों के अनुसार धारा 110, 107, 116(3) एवं 129 बीएनएसएस के तहत विधिवत कार्यवाही की गई। कई कथित आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए थाना/चौकियों में हिस्ट्रीशीट खोलने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, ताकि अपराधों की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

कोरबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले आदतन अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। आम नागरिकों की सुरक्षा, शांति एवं विश्वास बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करी कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध की जानकारी तत्काल नजदीकी थाना, चौकी या पुलिस कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

सूचीबद्ध असामाजिक तत्वों की कटघोरा थाना परिसर में ली गई परेड

कोरबा । अपराध नियंत्रण को लेकर कोरबा जिले में पुलिस अलग-अलग स्तर पर काम कर रही है। कटघोरा पुलिस ने गुंडे-बदमाशों को सुधारने और उनके परिवारों को राहत देने की दिशा में विचार किया है। क्षेत्र के सूचीबद्ध ऐसे तत्वों को थाना में बुलाकर परेड कराई गई। उन्हें कहा गया कि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। उन्हें समझाया गया कि न तो अभी और न कभी अपराध का रास्ता उचित नहीं है, इससे तौबा करें। इस दौरान एसडीओपी कटघोरा विजय सिंह राजपूत ने उपस्थित गुंडा एवं निगरानी बदमाशों से उनकी वर्तमान रहन-सहन, आजीविका एवं गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। साथ ही सभी के चरित्र के संबंध में रिकॉर्ड की समीक्षा कर आवश्यक जानकारियां प्राप्त की गईं। पुलिस अधिकारियों ने सभी को स्पष्ट शब्दों में भविष्य में किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त न रहने की सख्त हिदायत दी। पुलिस द्वारा बताया गया कि कटघोरा में आयोजित होने वाले किसान मेला तथा पाली में प्रस्तावित पाली महोत्सव को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। ऐसे में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, अवैध जमावड़ा या अशांति फैलाने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगरानी बदमाशों को यह भी समझाइश दी गई कि वे किसी भी आपराधिक संगठन, गिरोह या समूह का हिस्सा न बनें और कानून का पालन करें।
अधिकारियों ने बदमाशों से उनके गुजर-बसर के साधनों के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जुडने के लिए प्रेरित किया। पुलिस ने उन्हें अच्छे आचरण, उच्च नैतिक चरित्र और जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन जीने की सलाह दी। साथ ही अपने परिवार और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपराध से दूर रहकर एक स्वस्थ, सुरक्षित और अपराध-मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया। परेड एवं समझाइश के बाद सभी गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति अपराध में संलिप्त पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

महात्मा गांधी की पूण्य तिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाएगी कांग्रेस

कोरबा । जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर एवं मनोज चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के पुण्य तिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जावेगा । उन्होंने बताया कि 30 जनवरी, दिन शुक्रवार को गांधी चौक कोरबा में प्रात: 11 बजे कार्यक्रम आयोजित है साथ ही मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत् एवं धान खरीदी हेतु निर्धारित तिथि को बढ़ाये जाने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया जावेगा । अध्यक्षद्वय ने जिला कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, इंटक, पार्षद, पूर्व पार्षद, ओबीसी, अजा, अजजा प्रकोष्ठ, ब्लॉक, मंडल, वार्ड एवं बूथ कमेटी के समस?त पदाधिकारी एवं सदस्यों को समय पर उपस्थित होने आग्रह किया है ।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 260 बेटियों के हाथ होंगे पीले

10 फरवरी को आयोजन की तैयारी में जुटा जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग

कोरबा । कोरबा जिले में निर्धन परिवार के अभिभावकों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत जिले में वित्तीय वर्ष में स्वीकृत लक्ष्य 260 जोड़े निर्धन परिवार के बेटियों का विवाह करने की कवायद शुरू कर दी गई है। महाशिवरात्रि के पहले 10 फरवरी को जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान ही उक्त पुनीत आयोजन को संपन्न कराने की तैयारियों में जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग जुट गया है।

निर्धन परिवार के लिए विवाह योग्य पुत्रियों का विवाह करना काफी मुश्किल भरा कदम होता है। खासकर आजकल के महंगे परिवेश में मजदूरी कर दो जून की रोटी का जुगाड़ कर जीवन यापन करने वाले परिवार को अपनी बिटिया के हाथ पीले करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, इन्हीं सब दिक्कतों को देखते हुए निर्धन परिवार की इस चिंता को मुक्त करने छत्तीसगढ़ सरकार ने सन 2004 से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना शुरू की है।

जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ के मूल निवासी ऐसे निर्धन परिवार जिनके यहां 18 साल से अधिक आयु की विवाह योग्य कन्या है उनका विवाह सरकार अपने खर्चे पर संपन्न कराकर ऐसे परिवारों को चिंतामुक्त कर बेटियों का भविष्य संवार रही। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रति जोड़े निर्धारित राशि 50 हजार रुपए की दर से 260 जोड़ों के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपए का आबंटन प्राप्त हुआ है। जिले में कुल 10 एकीकृत बाल विकास परियोजना हैं, जिनके अधीन 2602 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। प्रत्येक परियोजना को 26-26 जोड़ों का लक्ष्य आबंटित किया गया है। जिसके लिए 13-13 लाख रुपए का बजट जिला से पुनराबँटित कर दिया गया है।

विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी बसंत मिंज ने बताया कि सभी लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी 10 परियोजनाओं में उपलब्ध बजट में इसी वित्तीय वर्ष में सामूहिक विवाह का आयोजन की तैयारी कर रहे।

महाशिवरात्रि के पूर्व सामूहिक विवाह आयोजन प्रस्तावित है, ताकि गरीब परिवार के अभिभावकों को अपनी बिटिया के हाथ पीले करने लंबा इंतजार और धन जुटाने की चिंता न करना पड़े। उन्होंने बताया कि कलेक्टर कुणाल दुदावत के नेतृत्व में 10 फरवरी को उक्त पुनीत आयोजन की तैयारी कर रहे हैं। जिसके लिए परियोजनावार आवेदन प्राप्त हो गए हैं। जिनकी सत्यापन की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। जिला प्रशासन जल्द ही अतिथियों की हामी के बाद विवाह आयोजन की तिथि तय करेगी।

इस अवसर पर डीपीओ श्री मिंज ने बताया कि 260 जोड़ों का विवाह का आयोजन भव्य स्वरूप में होगा। अल्पसमयावधि में उक्त वृहद स्तर के आयोजन को संपन्न कराने की तैयारी शुरु कर दी गई है।

परियोजनावार कोरबा शहरी -26, कोरबा ग्रामीण -26, करतला -26, बरपाली -26, कटघोरा -26, हरदीबाजार -26, पाली -26, पोंडी -26, चोटिया-26, पसान-26, कुल -260 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे।

बेटियों को मिलेगा 35 हजार रुपए का चेक

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत स्वीकृत 50 हजार रुपए प्रति जोड़े प्रोत्साहन राशि में से योजनांतर्गत लाभान्वित होने वाले जोडों को 35 हजार रुपए का चेक प्रदान किया जाएगा। शेष 15 हजार की राशि में विवाह आयोजन के खर्च किए जाएंगे। जिसमें वर वधु के कपड़े, श्रृंगार, दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली सामाग्रियों की खरीदी के साथ-साथ विवाह आयोजन का पूरा खर्च वहन किया जाएगा।

412 ग्राम पंचायत मे आयोजित हुआ उल्लास मेला

कोरबा। साक्षरता विभाग के द्वारा जिले को पूरी तरह साक्षर बनाने के लिए 26 जनवरी को जिले के हर ग्राम पंचायत में उल्लास मेला लगाया गया। इस मेले का उद्देश्य है कि जो लोग अभी तक पढ़ना-लिखना नहीं जानते हैं, उन्हें सीखने पढ़ने का अवसर मिले।

रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया सेन्द्रीपाली संकुल के केरवाद्वारी विद्यालय मे आयोजित उल्लास मेला मे सम्मिलित हुए उन्होंने कहा कि यह मेला जिले को पूर्ण साक्षर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उल्लास मेले में लोगों को पढ़ना-लिखना, जोड़-घटाना, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता और रोजमर्रा के काम आने वाले कौशल सिखाए गए । प्राथमिक स्कूलों में स्टॉल लगाकर खेल-खेल में सीखने की व्यवस्था कि गई।इस मेले में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी के लिए प्रभात फेरी, नारा लेखन, मशाल रैली और मुनादी के माध्यम से प्रचार किया गया था। 412 ग्राम पंचायत मे प्रधानपाठक (ग्राम प्रभारी), शिक्षक,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्काउट - गाइड, स्वयंसेवी शिक्षक और जनप्रतिनिधि मिलकर इस मेले को सफल बनाया। जिला परियोजना अधिकारी श्रीमती ज्योति शर्मा ने उल्लास मेला मे जाकर सभी ग्राम को साक्षर बनाने का आह्वान किया।

आबकारी टीम पर हुआ हमला-वाहन तोड़ा

कोरबा । कोरबा जिला के ग्राम बरपाली में अवैध मादक द्रव्य पदार्थ के मामले में छापामार कार्यवाही करने पहुंचे आबकारी अमले के साथ मारपीट कर उपनिरीक्षक के निजी वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार मामले की प्रार्थिया आबकारी उप निरीक्षक के पद पर आबकारी वृत्त कोरबा (आंतरिक) कार्यालय में पदस्थ है। उसने बताया कि वह अपनी टीम के साथ एक निजी वाहन में अवैध मादक द्रव्य पदार्थ पर रेड कार्यवाही हेतु ग्राम बरपाली थाना श्यांग में एक ग्रामीण के घर गई थी। तभी आसपास की महिलाएं इकट्ठा हो गईं। सरपंच पति भी कुछ लोगों के साथ घटना स्थल पहुंचा। तब एक व्यक्ति ने डंडे से आबकारी टीम के लोगो के साथ मारपीट करी। वाहन के सामने शीशा को बायीं ओर मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर कथित आरोपी के विरुद्ध धारा 324(3), 115(2), 221, 3(5) क्ष्ह्स के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

सुविधा प्रमुख स्टेशनों की सूची में शामिल हो जाएगा उरगा

कोरबा। कोरबा रेलवे स्टेशन को छोड़ दें तो चांपा तक 5 स्टेशन हैं। जिसमें उरगा, सरगबुंदिया, मड़वारानी, कोथारी व बालपुर शामिल हैं। कोरबा से आगे गेवरारोड रेलवे स्टेशन भी है। जानकारी के अनुसार कुछ दिनों में उरगा स्टेशन का ओहदा बढ़ जाएगा। यह जिले का पहला स्टेशन है जहां 1-2-3 नहीं वरन 4 एवं 5 नंबर प्लेटफार्म से भी गाड़ियां दौड़ेंगी। जिसके कारण यह स्टेशन रेलवे के प्रमुख स्टेशनों की सूची में शामिल हो जाएगा। कोरबा रेलवे स्टेशन से चांपा रूट पर पड़ने वाले उरगा स्टेशन में 4 व 5 नंबर प्लेटफार्म का काम तेजी से चल रहा है।

प्लेटफार्म आकार ले चुका है। जिसके दोनों तरफ अतिरिक्त लाइन भी बिछा दी गई हैं। उक्त लाइनों को मुख्य लाइन से जोड़ने व प्लेटफार्म के दोनों ओर एप्रोच रोड का भी काम कुछ दिनों में शुरू जाएगा। जिस गति से उरगा स्टेशन में विकास कार्य रेलवे द्वारा कराया जा रहा है उससे अनुमान लगाया जा रहा हैं कि ये सभी तैयारियां भविष्य में जंक्शन बनाने के लिए हो रही हैं।कोरबा को जोड़ने वाले ईस्ट व वेस्ट रेल कॉरिडोर की मंजूरी एक साथ मिल गई थी। लेकिन जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में विलंब होने के कारण वेस्ट कॉरिडोर का काम शुरू नहीं हो पाया था। इस कॉरिडोर का काम एजेंसी द्वारा तेजी से कराया जा रहा है। धरमजयगढ़ से शुरू हुआ काम अब उरगा के समीप तक पहुंच गया है। जहां रेल लाइन बिछाई जानी है उसके लिए जमीन समतलीकरण का कार्य चल रहा है। जगह-जगह स्लीपर डंप कर दिए गए हैं। पुल का काम भी साथ-साथ चल रहा है। कोरबा रेलखंड में पदस्थ एक अधिकारी ने बताया कि भविष्य में उरगा स्टेशन का स्वरूप काफी बदला नजर आएगा। ईस्ट व वेस्ट रेल कॉरिडोर के बनने तक इंतजार करना पड़ेगा। दोनों रेल कॉरिडोर उरगा से जुड़ जाएंगे। जहां से चारों दिशाओं से ट्रेनों का परिचालन होने लगेगा। ईस्ट कॉरिडोर को जोड़ने के लिए अभी उरगा-कुसमुंडा के बीच नई लाइन बना ली गई है, जिसका परीक्षण भी कर लिया गया है। यह लाइन सीधे पेंड्रारोड से कनेक्ट हो जाएगी। वहीं दूसरा कॉरिडोर धरमजयगढ़ से आने वाली लाइन उरगा से कनेक्ट हो जाएगा। दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे द्वारा उरगा स्टेशन में एक और एफओबी (फुट ओवर ब्रिज) बनाने की मंजूरी काफी पहले मिल चुकी है। नया एफओबी प्लेटफार्म 2-3 को जोड़ते हुए प्लेटफार्म नंबर 4-5 तक जाएगा। जबकि पहले से ही प्लेटफार्म नंबर 1 को 2-3 नंबर से जोड़ दिया गया है। प्लेटफार्म बनने के बाद एफओबी को विस्तार देने का काम शुरू हो जाएगा। जिससे एक दूसरे छोर से यात्रियों को प्लेटफार्म बदलने में आसानी होगी। अभी प्लेटफार्म नंबर 2-3 तक आने के लिए भैसमा छोर के यात्रियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है।

पटवारी की बिगड़ी तबीयत-मृत्यु

कोरबा । तहसील कार्यालय पसान में अटैच पटवारी के पेट में अचानक दर्द होने लगा। वह किसी तरह बाइक से 90 किलोमीटर का सफर तय कर घर पहुंचे। उनकी हालत पानी पीने के बाद हिचकी आते ही और बिगड़ गई। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सको ने पटवारी को परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मूलत: ग्राम ढोंढ़ातराई उरगा हाल मुकाम पोंड़ी-बहार निवासी पटवारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें करीब 7 माह पहले पसान तहसील अटैच किया गया था। अचानक पटवारी श्री कंवर के पेट में दर्द होने लगा, जिसकी जानकारी उन्होंने राजस्व विभाग में ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ बड़े भाई ईश्वर सिंह को दी।

सुव्यवस्थित धान खरीदी व्यवस्था से किसान को मिला सुविधा और भरोसा

कोरबा। कोरबा विकासखण्ड के केराकछार ग्राम के प्रगतिशील किसान श्री बृजलाल राठिया के लिए इस वर्ष की धान खरीदी एक सकारात्मक और सहज अनुभव रही। शासन द्वारा लागू की गई त्वरित, पारदर्शी व ऑनलाइन टोकन आधारित धान खरीदी व्यवस्था ने उन्हें समय पर, बिना परेशानी के अपनी उपज बेचने का अवसर प्रदान किया।आज श्री राठिया ने कोरकोमा उपार्जन समिति में 100 क्विंटल धान का विक्रय किया। यह इस खरीदी सत्र में उनका दूसरा चरण का विक्रय है। इससे पूर्व वे 80 क्विंटल धान समिति में विक्रय कर चुके हैं। इस प्रकार इस खरीदी सत्र में अब तक वे कुल 180 क्विंटल धान शासन को विक्रय कर चुके हैं। उनके पास कुल 12 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे परिश्रमपूर्वक धान की खेती करते हैं। पिछले वर्ष भी उन्होंने 205 क्विंटल धान का सफल विक्रय किया था।श्री बृजलाल राठिया बताते हैं कि ऑनलाइन टोकन मिलने से पहले जहां अनिश्चितता बनी रहती थी, वहीं अब तय तारीख पर धान खरीदी होने से न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि मेहनत की सही कीमत मिलने का भरोसा भी मिला है। समिति में धान की तौल, पंजीयन और खरीदी की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी एवं किसान अनुकूल रही।यह व्यवस्था किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी प्रणाली अब किसान-हित में अधिक सुगम, पारदर्शी और विश्वासपूर्ण बन रही है, जिससे किसान अपने श्रम का उचित मूल्य प्राप्त कर पा रहे हैं और भविष्य के प्रति आश्वस्त महसूस कर रहे हैं।

कोटपा एक्ट 2003 की धारा के अंतर्गत रूपये 1600 जुर्माना किया गया

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के निर्देशानुसार तथा डॉ.कुमार पुष्पेष नोडल अधिकारी (एन.टी.सी.पी.) के नेतृत्व मे राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 27.01.2026 को परिवर्तन दल डॉ.मानसी जायसवाल, जिला सलाहकार (एन.टी.सी.पी). , विरेन्द्र भगत , ड्रग इंपेक्टर (खाद्य एवं औषधी विभाग), संतोष केवट सोसल वर्कर की संयुक्त टीम के द्वारा एनटीपीसी गेट, जामगांव और स्याहीमुडी क्षेत्र में शिक्षण संस्थाओं के 100 गज के दायरे में आने वाले दुकानों में उपस्थित लोगों को कोटपा अधिनियम 2003 के बारे में तम्बाकू बिक्री पर रोक के संबंध में जागरूक किया गया साथ ही विभिन्न स्थानों में कोटपा एक्ट 2003 की धारा 04 के अंतर्गतें 11 चालान काटा गया जिसकी राशि 1600 रूपये वसूला गया । तथा 02 जगह समझाईस देकर छोड़ा गया।कोटपा एक्ट-2003 के धारा 04 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध, धारा 5 के तहत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादन के विज्ञापन पर प्रतिबंध, धारा 6 के तहत नाबालिगों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्रि पर प्रतिबंध, उससे होने वाले दुस्प्रभावों के बारे में , सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध संबंध में जानकारी दी गई । साथ ही सभी दुकानों में घारा 6(ए) का पोस्टर चस्पा किया गया।

इंटेंसिफाईड एचआईवी/एड्स सघन जागरूकता हेतु जागरूकता रथ रवाना

करेंगे एचआईवी/एड्स के सम्बन्ध में जागरुक

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के नेतृत्व में दिनांक 28.01.2026 को इंटेंसिफाईड एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत सघन प्रचार प्रसार हेतु एड्स जागरूकता रथ तथा कला जत्था दल को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया । एस अवसर पर डॉ.सी.के.सिंह, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. बी.आर.रात्रे नोडल अधिकारी एड्स, कुमार पुष्पेश, जिला टीकाकरण अधिकारी, पद्माकर शिन्दे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, कला जत्था के सदस्य तथा अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि इंटेंसिफाईड एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत सघन प्रचार प्रसार हेतु एड्स जागरूकता रथ तथा कला जत्था दल के द्वारा जिले के समस्त विकासखंडों के चिन्हांकित ग्रामों में कार्यक्रम आयोजित कर एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस), इसके बचाव, नियंत्रण के सम्बन्ध में जागरूक किया जायेगा तथा लोगों को एचआईवी/एड्स के मरीजों के अधिकारों की रक्षा के लिए 2017 में बनाये गए एक्ट की जानकारी, गर्भवती महिलाओं को प्रथम तिमाही में एचआईवी जाँच कराने तथा एचआईवी के सम्बन्ध में कहीं भी कभी भी किसी भी समय प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नंबर 1097 कि जानकारी दिया जावेगा
उन्होंने बताया कि दिया एक वायरस है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है, खासकर सीडी 4 कोशिकाओं को नष्ट करता है, जिससे शरीर संक्रमणों और बिमारियों से ठीक से लड़ नहीं पाता और अंतत: एड्स बिमारी नामक गंभीर स्थिति हो सकती है, लेकिन सही इलाज से इसे नियंत्रित करके स्वस्थ्य जीवन जिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह जानना जरूरी है कि आप एचआईव्ही पॉजिटिव हैं या नहीं क्योकि कई बार मरीज में एचआईवी का कोई अपना लक्षण नहीं होता है। यह हमेशा दूसरी बिमारियों का लक्षण लिए हुए होता है। जिसमें प्राय: यह देखने को मिलता है कि व्यक्ति को एक महीने या अधिक समय तक लगातार फ्लू, बुखार, थकान, सिरदर्द, गले में खरास, रात को पसीना हो सकती है कोई भी ऐसी बिमारी जैसे उल्टी, दस्त, निमनिया, मुँह में छाले' टीबी जैसे संक्रमण वाली बिमारिया हो सकती है ऐसी परिस्थिती में प्रत्येक व्यक्ति को एचआईवी जॉंच जीवन में कम से कम एक बार जरूर कराना चाहिए, साथ ही यौन रूप से सक्रिय लोगों को हर साल या जोखिम के आधार पर जिसमें असुरक्षित यौन संबंध, सुई साझा करना या किसी व्यक्ति को यौन संचारित रोग हो तो उन्हे प्रत्येक 3 से 6 माह में अवश्य जॉंच कराना चाहिए इसके साथ ही प्रत्येक गर्भवती महिला को प्रथम तिमाही में एचआईवी की जॉंच कराना अनिवार्य है। और अगर जॉंच और उपचार नहीं हुआ तो एड्स बिमारी हो सकती है,

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने आग्रह किया है कि जिन व्यक्तियों में उपरोक्त लक्षण हों मेडिकल कॉलेज (जिला चिकित्सालय) के आइटीसी सेंटर, समस्त विकासखण्ड के आईटीसी सेंटर तथा टोल फ्री नंबर 1097 में संपर्क कर अपना नि:शुल्क स्वास्थ्य जॉंच करा सकते है।

माँ सर्वमंगला मंदिर में 31 गरीब कन्याओं का होगा सामूहिक विवाह, तैयारी में जुटा मंदिर प्रबंधन

कोरबा। माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर दुरपा एक बार फिर पुण्य, परंपरा और सामाजिक सरोकार का साक्षी बनने जा रहा है। मंदिर प्रबंधन द्वारा 'नम: सामूहिक विवाह' के दूसरे आयोजन की तैयारी तेज कर दी गई है, जिसके तहत 31 गरीब कन्याएं माँ के दरबार में परिणय सूत्र में बंधेंगी। आयोजन की तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी।माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा के प्रबंधक, पुजारी एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय (नन्हा महाराज) ने बताया कि माता रानी की असीम कृपा से यह पावन आयोजन दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल विवाह कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्ग के प्रति मानवीय दायित्व निभाने का एक पवित्र प्रयास है।गौरतलब है कि इससे पूर्व 02 मार्च 2024 को मंदिर परिसर में प्रथम नम: सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया था, जो ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। उस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कोरबा जिला प्रभारी मंत्री अरुण साव सपत्नीक आशीर्वाद देने पहुँचे थे। वहीं कोरबा विधायक एवं केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन सहित प्रदेश व जिले की कई प्रमुख हस्तियों ने नवदम्पत्तियों को शुभकामनाएँ दी थीं।नमन पाण्डेय ने बताया कि पहले आयोजन को समाज से जो अपार समर्थन मिला, उसी ने दूसरी बार इस महायज्ञ को और भव्य रूप देने का संकल्प मजबूत किया है। इस बार भी आयोजन को सुव्यवस्थित, गरिमामय और यादगार बनाने के लिए मंदिर प्रबंधन पूरी निष्ठा से जुटा हुआ है।माँ सर्वमंगला देवी के पुण्य धाम में होने वाला यह सामूहिक विवाह न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनेगा, बल्कि सामाजिक समरसता और सहयोग की मिसाल भी पेश करेगा।

ज्ञान सागर पब्लिक स्कूल जमनीपाली में 77वें गणतंत्र दिवस पर नरेश जायसवाल ने किया ध्वजारोहण

कोरबा। 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ज्ञान सागर पब्लिक स्कूल (इंग्लिश मीडियम) जमनीपाली, कोरबा में हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नरेश जायसवाल (प्रान्त प्रमुख, वनांचल शिक्षा सेवा न्यास छत्तीसगढ़, विद्या भारती) ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर श्री अर्जुन सिंह पटेल (जिला प्रतिनिधि, कोरबा जिला) विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन जीत लिया।मुख्य अतिथि श्री नरेश जायसवाल ने अपने संबोधन में सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के बच्चे देश के भविष्य और जिम्मेदार नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि अनेक महापुरुषों के बलिदान और संघर्ष के कारण ही हमारा देश स्वतंत्र हुआ और वर्ष 1950 में संविधान लागू हुआ, जिसकी स्मृति में हम प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस मनाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा के लिए हमारे सैनिक दिन-रात तत्पर रहते हैं, वहीं देश के अंदर भी अनेक चुनौतियां हैं, जिनसे सतर्क रहने की आवश्यकता है। श्री जायसवाल ने सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उपयोग समाज को आगे बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि उसे नुकसान पहुंचाने के लिए।

भैंसमुड़ी के स्कूल में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

जांजगीर चांपा। ग्राम भैंसमुड़ी स्थित प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः ध्वजारोहण से हुई, जिसे विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति राजकुमार साहू द्वारा संपन्न कराया गया। इसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक एवं भाषण शामिल रहे। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के महत्व को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया। कार्यक्रम में अतिथि जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति राजकुमार साहू ने अपने उद्बोधन में संविधान निर्माताओं को याद करते हुए विद्यार्थियों से अनुशासन, देशभक्ति एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर सरपंच विजय साहू,लक्ष्मीनारायण साहू, विजय राम सूर्यवंशी, बुधराम सूर्यवंशी,सुखनंदन दास,अशोक कर्ष, जवाहर साहू, संतराम कर्ष,आचार्य अमित मिश्रा, श्रीमती,पूना बाई कश्यप,शिक्षकगण प्रमेंद्र सिंह बनाफर, शरद राठौर, संतोष सिंह बैस, राजाराम नट, श्रीमती शांता सिंह,पूर्णिमा शर्मा सहित विद्यालय परिवार के शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कचहरी चौक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने किया ध्वजारोहण

जांजगीर-चांपा । जिले के जिला मुख्यालय जांजगीर स्थित कचहरी चौक में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी की प्रतिमा स्थल पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति निष्ठा बनाए रखने का संदेश दिया। ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें देश के संविधान, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और महान नेताओं के बलिदान को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने नागरिकों से आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास करने की अपील की।

कार्यक्रम में जांजगीर चांपा विधानसभा के विधायक व्यास कश्यप, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. परस शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा, रमेश पैगवार, भगवान दास गढ़ेवाल, रफीक सिद्दीकी, हृषिकेश उपाध्याय, शिशिर द्विवेदी, देवकुमार पाण्डेय जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामबिलास राठौर, विवेक सिसोदिया, प्रकाश गुप्ता शहर अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल , अमन अग्रवाल, महेंद्र कश्यप, परमेश्वर निर्मले, संस्कार राठौर, आकाश तिवारी, अरमान खान सहित कांग्रेस पार्टी के अनेक नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम को गरिमामय बनाया और देशभक्ति के नारों के साथ गणतंत्र दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन किया। समारोह सद्भावपूर्ण एवं देशभक्ति मय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सखी वन स्टॉप सेंटर के संचालन हेतु सेवा प्रदाताओं के स्वीकृत पदों पर भर्ती हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। भारत सरकार ने एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण हेतु एक अम्ब्रेला योजना मिशन शक्ति की शुरूआत की है। मिशन शक्ति अम्ब्रेला योजना अंतर्गत दो उपयोजना संबल एवं समर्थ शामिल है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि संबल उपयोजना अंतर्गत जिले में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर जांजगीर में दैनिक कार्यों के संचालन व सभी सुसंगत कार्यवाहियों के लिए रिक्त सेवा प्रदाताओं के 08 पद की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदन पत्रों का प्राविधिक सूची का प्रकाशन करते हुए 30 जनवरी से 05 फरवरी 2026 तक कार्यालयीन समय 05.30 बजे तक कार्यालय जिला कार्यकम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जिला जांजगीर-चांपा में दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया है। प्राविधिक सूची का विस्तृत विवरण जिले की वेबसाईट https://janjgir-champa.gov.in व कार्यालय के सूचना पटल पर देख सकते है।

किसानों व सरपंच प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री से शिकायत कर सौंपा ज्ञापन, मिला कार्रवाई के लिए आश्वासन..

जांजगीर-चांपा। जिले के प्रभारी एवं प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी से ग्रामीण किसानों और सरपंच प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर कान्हाईबंद कोल डिपो के संचालन से उत्पन्न गंभीर समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को लिखित ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि कोल डिपो के कारण ग्रामीणों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

प्रभारी मंत्री ने भी कन्हाईबंद के सरपंच प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते कार्रवाई के आश्वासन दिए, इस मौके पर सर्किट हाउस में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, जिलाध्यक्ष, ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच, ग्रामीण किसान सहित जिले के कलेक्टर, एसपी मौजूद थे। ग्रामीणों ने बताया कि कोयले की आवाजाही से भारी धूल प्रदूषण, सड़कों की बदहाली, कृषि भूमि को नुकसान और

स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। बच्चों, बुजुर्गों और किसानों

को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों और सरपंच प्रतिनिधियों ने बताया कि पंचायत की अनुमति के बिना कोल डिपो चलना पंचायती राज व्यवस्था और सरकारी नियमों का सीधा उल्लंघन है। ग्राम सभा से किसी भी प्रकार की सहमति नहीं ली गई, फिर भी भारी वाहनों की आवाजाही, प्रदूषण और कृषि भूमि को नुकसान लगातार बढ़ता जा रहा है। सरपंच प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि कोल डिपो संचालन में नियमों की अनदेखी हो रही है और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही से समस्या और गंभीर होती जा रही है। मामले को गंभीरता से सुनते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की बात कही और कहा कि ग्रामीणों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आपको बता दें कि, नवागढ़ ब्लॉक के कन्हाईबंद ग्राम पंचायत से अनुमति लिए मेसर्स टर्टल सर्विसेस प्रोपाइटर शशांक कुमार सिंह निवासी रामा ग्रीन सरकंडा बिलासपुर द्वारा ग्राम पंचायत कन्हाईबंद में खसरा नंबर 660 रकबा 0.717 हेक्टेयर में खनिज क्षमता 19 हजार एमटी, एवं 1 हजार एमटी अस्थाई अनुज्ञा पत्र के लिए मांग पत्र कोल भंडारण के लिए दिया गया था. उक्त भूमि में कोल भंडारण के लिए नीरज सिंह पिता सीताराम द्वारा अनापत्ति पत्र की मांग की गई थी. जिसे ग्राम पंचायत ने खारिज कर दिया गया है. पटवारी प्रतिवेदन को छेड़छाड़ कर प्रतिवेदन मे संसोधन कर कोल डिपो को माइनिंग अनुमति दे दिया हैं। जिसका ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। अब देखना यह होगा कि आश्वासन के बाद प्रशासन कब और कैसी ठोस कार्रवाई करता है, या फिर कान्हाईबंद कोल डिपो की समस्या यूं ही ग्रामीणों पर भारी पड़ती रहेगी।

धान खरीदी में कथित अनियमितता, टोकन न मिलने और रकबा कम होने जैसी समस्याएं

जांजगीर चांपा। कांग्रेस और किसानों ने चांपा तहसील कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन के पश्चात एसडीएम कार्यालय का किया घेराव।

जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में यह प्रदर्शन धान खरीदी की अंतिम तिथि निकट होने पर भी किसानों की उपज न बिकने के विरोध में आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा = कि राज्य सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण हजारों किसानों का धान अभी तक नहीं बिका है, किसानों को टोकन नहीं दिया जा रहा है, एग्रीटेक पोर्टल पर पंजीयन में दिक्कत और रकबा कटौती के कारण किसान अपना उपज नहीं बेच पा रहे है। किसान दफ्तरों के बार बार चक्कर काट कर परेशान हो रहे है और हमारी मांग है कि जल्द से जल्द टोकन जारी कर धान खरीदी सुनिश्चित की जाए, अन्यथा हम किसानों के हक की लड़ाई को सड़क से सदन तक ले जाएंगे। जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू ने आरोप लगाया कि, सरकार की उदासीनता और कुशासन के चलते किसान अपने ही उत्पाद को बेचने के लिए दर दर भटकने को मजबूर हैं।

कुछ किसानों को टोकन जारी किया जा चुका है, उनका भी पूरा धान नहीं लिया जा रहा. कहीं आधा धान काटा जा रहा है, कहीं 40 प्रतिशत तक कटौती की जा रही है. कई जगह तो टोकन होते हुए भी धान लेने से साफ इनकार किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील साधवानी ने किया एवं आभार प्रदर्शन बम्हनीडीह ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रविंद्र शर्मा ने किया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि गुलजार सिंह, प्रदेश सचिव गिरधारी यादव, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज शुक्ला, बाबूलाल जायसवाल, हरीश पाण्डेय, चांपा मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी, राज सरोज, किशन सोनी, अवधेश गुप्ता, जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता, शाश्वत दीवान, गौतम राठौर, रोशन बरेठ, रामराज्य पाण्डेय, अमरजीत सलूजा, चंद्रदेव महंत, अंजलि देवांगन, गीता केशव सोनी, पुरुषोत्तम देवांगन, ललित देवांगन, अनिल रात्रे, जिब्बू आर्य, पवन साहू, दुर्गा कुर्रे, डुग्गू प्रधान, बूटू देवांगन, लता श्रीवास, डॉ संतोष यादव, राघवेंद्र नामदेव, मालिकराम यादव, गुलाबुद्दीन खान, रज्जाक खान, गुलशन सोनी, अंजुम अंसारी, उमेश तिवारी, राजेश्वर मिश्रा, भालचंद तिवारी, हेमंत सोनी, तमेंद्र देवांगन, रंजन केंवट, गोविंदा वैष्णव, आसान दीवान आदि उपस्थित थे।

जांजगीर जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

जांजगीर-चांपा। जिला न्यायालय को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी प्राप्त होने की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में तत्काल सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय किया गया। संभावित खतरे को दृष्टिगत रखते हुए जिले की स्कॉट टीम एवं बम निरोधक दस्ता को मौके पर बुलाया गया।

अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए छ्स्क जांजगीर योगिता बाली खापर्डे एवं थाना प्रभारी जांजगीर जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में जिला न्यायालय परिसर की सघन तलाशी ली गई। न्यायालय भवन के अंदर, आसपास के परिसर, पार्किंग स्थल तथा आम जनता एवं कर्मचारियों की आवाजाही वाले सभी स्थानों की बारीकी से जांच की गई। साथ ही न्यायालय में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भी सावधानीपूर्वक चेकिंग की गई। बम निरोधक दस्ते द्वारा की गई जांच के दौरान किसी भी प्रकार की विस्फोटक सामग्री, संदिग्ध वस्तु अथवा खतरे से संबंधित कोई प्रमाण नहीं पाया गया, जिससे स्थिति पूर्णतः सुरक्षित पाई गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना जांजगीर में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है तथा धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच एवं आरोपी की पहचान हेतु विवेचना की कार्यवाही जारी है। पुलिस द्वारा साइबर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है।

लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु शिविर 30 को

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण हाने के अवसर पर प्रदेश में रजत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने बताया कि संचालनालय द्वारा उक्त अवधि में संभाग स्तर एवं जिला स्तर पर कैम्प आयोजित कर, पेंशन एवं वेतन निर्धारण के प्रकरणों का निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देश के परिपालन में लंबित पेंशन/वेतन निर्धारण प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला कोषालय जांजगीर में 30 जनवरी 2026 को प्रातः 10.30 बजे से 5 बजे तक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। कैम्प में विशेष रूप में संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन द्वारा आपत्ति की गई लंबित पेंशन प्रकरण का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने इस सबंध में जिले के सभी आहरण एवं संवित्तरण अधिकारियों को पत्र के माध्यम से सूचना दी गई है।

राजमिस्त्री कल्याण संघ के कार्यालय में एस्वोकेट ने फहराया झंडा

जांजगीर। जिला मुख्यालय जांजगीर में गणतंत्र दिवस पर एडवोकेट जी के गुजराल सदस्य छत्तीसगढ़ स्टेट बॉर काउंसिल एवं पूर्व जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी के द्वारा जांजगीर के अंबेडकर चौक में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर फूल माला पहनाया गया एवं राजमिस्त्री कल्याण संघ के कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से मिस्त्री संघ जिला अध्यक्ष अमरनाथ बर्मन सागर मोगरा, ईश्वर राठोर, महारथी बघेल , संतोष बाबई, मानसिह, धनीराम, जवाहरलाल, रामनाथ रात्रे,लक्षण कमलेश, विशाल कमलेश, आर के काटले, लकेश्वर प्रसाद, मनोज, आकाश मोगरा, ईश्वर कहर,अनिल राठौड़ गंगाराम यादव,प्यारेलाल सारथी एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

***जांजगीर-चांपा।** खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू की गई पारदर्शी एवं तकनीक आधारित डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए भरोसे, सुविधा और समय पर भुगतान की मजबूत पहचान बनकर उभरी है।

एबीवीटीपीएस मड़वा में मनाया गणतंत्र दिवस, मुख्य अभियंता ने फहराया तिरंगा

जांजगीर चांपा । अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 77 वां गणतंत्र दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। प्रशासनिक भवन परिसर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अभियंता एचएन.कोसरिया ने बलिदानी वीरों की शहादत को नमन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आलोक लकरा, एसडी. द्विवेदी, आरके.साव, एन.लकरा और आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष शशि कोसरिया व महिला मंडल के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर मुख्य अभियंता एचएन.कोसरिया ने अधिकारियों व कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह दिसंबर, वर्ष 2025 तक विद्युत संयंत्र ने 76.20 प्रतिशत पीएलएफ. एवं 80.82 प्रतिशत पीएएफ. अर्जित किया है। साथ ही माह नवंबर, वर्ष 2025 तक डीएसएम. चार्ज में 18 करोड़ 21 लाख 29 हजार रूपए अर्जित की गई है।

समारोह के मंच से मुख्य अभियंता ने कहा कि विद्युत संयंत्र प्रबंधन फ्लाईऐश के उचित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में फ्लाईऐश के निस्तारण का लक्ष्य 126 प्रतिशत की तुलना में 22 जनवरी 2026 तक 106.39 प्रतिशत फ्लाईऐश का उचित निस्तारण कर लिया गया है। इन उपलब्धियों के लिए उन्होंने संचालन-संधारण वृत्त, सिविल विभाग समेत विद्युत गृह के सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिक साथियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

उत्तम कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए मुख्य अभियंता ने कहा कि पॉवर कंपनी मुख्यालय डंगनिया रायपुर में राज्य स्तर पर कार्यपालन अभियंता राजकुमार वर्मा को सम्मानित किया जा रहा है। इसके साथ ही विद्युत गृह में स्थानीय स्तर पर सम्मानित होने वाले 10 समूह पुरस्कारों में शामिल अधिकारी-कर्मचारी, 24 व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्त करने वाले अधिकारी-कर्मचारी एवं 30 ठेकाश्रमिकों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

कार्यालय, नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

फा.क्र./संपदा/15/ लीज हस्तां./2026 16726 — कोरबा, दिनांक 22.01.2026

लीज हस्तांतरण हेतु आम सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा भूखण्ड के लीज हस्तांतरण/हकत्याग के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/निकाय को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय प्रमाण सहित इस आम सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर नगर पालिक निगम कोरबा कार्यालय साकेत भवन में उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	लीजकर्ता का नाम	लीज ग्रहिता का नाम	योजना का नाम	भूखण्ड का प्रकार
भूखण्ड				
1	1/श्रीमती गायत्री बाई पति स्व. महादेव प्रसाद अग्रवाल, 2/श्री जय प्रकाश अग्रवाल, 3/ श्री सुभाष कुमार अग्रवाल, 4/श्रीमती सरोज देवी अग्रवाल पति श्री विजय कुमार अग्रवाल, 5/श्रीमती सुनीता अग्रवाल पति श्री राजेश अग्रवाल, 6/श्रीमती संगीता अग्रवाल पति श्री अनिल अग्रवाल, 7/श्री भरत कुमार अग्रवाल एवं 8/श्री शत्रुघन अग्रवाल पिसरान-स्व. महादेव प्रसाद अग्रवाल, निवासी-भूखण्ड क्र.-सी/02-ए महाराणा प्रताप नगर, कोसाबाड़ी कोरबा, तह. व जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री भरत कुमार अग्रवाल आ. स्व. महादेव प्रसाद अग्रवाल, निवासी-भूखण्ड क्र.-सी/02-ए, महाराणा प्रताप नगर, कोसाबाड़ी कोरबा, तह. व जिला-कोरबा (छ.ग.)	महाराणा प्रताप नगर, कोसाबाड़ी कोरबा	भूखण्ड क्रमांक सी/02-ए साईज 25'×78'= 1950 वर्गफुट (बिना प्रतिफल के हक त्याग)
2	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल आ. स्व. राम चन्द अग्रवाल एवं श्री अनुप अग्रवाल आ. श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, निवासी- दर्री रोड कोरबा, तह. व जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री आशीष कुमार अग्रवाल आ. श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, निवासी-दर्री रोड कोरबा, तह. व जिला -कोरबा (छ.ग.)	इंदिरा व्यावसायिक सह आवासीय केन्द्र कोरबा	भूखण्ड क्रमांक 212 साईज 40'×50'=2000 वर्गफुट (बिना प्रतिफल के लीज हस्तांतरण)
3	श्रीमती कुमुद खिरवाट पति श्री एस.के. खिरवाट, निवासी- एच.आई.जी.I/111, महाराणा प्रताप नगर कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री लक्ष्मी नारायण देवांगन पिता केशव प्रसाद देवांगन, निवासी-678, मंडली चौक, जैजेपुर, जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.)	पं. रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा	भूखण्ड क्रमांक 57/एच.आई.जी. साईज 2324.15 वर्गफुट
4	श्री प्रदीप कुमार मुखर्जी आ.श्री एस.एन.मुखर्जी, निवासी-प्लाट नं.-129, हुडको कॉलोनी, अगारखार, तह.-दर्री जिला-कोरबा (छ.ग.) एवं श्री अविक मुखर्जी आ. श्री शिवनाथ मुखर्जी निवासी-एम.आई.जी./18, साडा कॉलोनी, एन.टी.पी.सी. जमनीपाली, तह.-दर्री, जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री मुकेश कुमार अग्रवाल आ. श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल, निवासी- हाउस नं. -242, सुराकछार, पो.-भैरोताल, कुसमुण्डा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	पश्चिमी कोरबा	भूखण्ड क्रमांक 424 साईज 40'×50'=2000 वर्गफुट

नोट :- निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त आवेदन/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

संपदा अधिकारी
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

पीजी कॉलेज की हीरक जयंती, वित्तमंत्री चौधरी शामिल

जांजगीर-चांपा। वित्त मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओ. पी. चौधरी ने खरौद नगर पंचायत के शास. लक्ष्मणेश्वर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित हीरक जयंती में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी ने कहा कि हीरक जयंती का आयोजन हमें भारत की गौरवशाली बौद्धिक और आर्थिक विरासत की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि भारत पहली सदी से लेकर 17वीं सदी तक लगभग 1600 वर्षों तक विश्व की सबसे सशक्त आर्थिक शक्ति रहा है। भारत ने विश्व को शून्य जैसा महान आविष्कार दिया, जिस पर आज दुनिया की पूरी गणना प्रणाली आधारित है। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े नवाचार भारत की धरती पर हुए हैं। नालंदा और तक्षशिला जैसे ज्ञान-आधारित संस्थान इस बात के प्रमाण हैं कि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान का केंद्र रहा है।

प्रभारी मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का समय है। आज टेक्नोलॉजी आधारित नवाचार तेजी से हो रहे हैं, इसलिए शिक्षा भी समयानुकूल और उपयोगी होनी चाहिए। शिक्षा समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज़ी से विकास की राह पर अग्रसर है और शिक्षा इस विकास की सबसे मजबूत नींव है। इस दौरान महाविद्यालय के स्मारिका दर्पणग्रंथ का विमोचन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम अध्यक्ष सौरभ सिंह, पूर्व संसदीय सचिव अम्बेश जांगड़े, कलेक्टर जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, सदस्य माध्यमिक शिक्षा मंडल छत्तीसगढ़ चन्द्रकांत तिवारी, नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद यादव, उपाध्यक्ष महेश्वर यादव, पूर्व कुलपति, बरसूर विश्वविद्यालय एस.डी.आर. चन्द्रा, क्षेत्रीय अपर संचालक, बिलासपुर डॉ. डी.पी. साहू, शिक्षाविद् एवं सदस्य, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर श्री बृजेश शुक्ला, अध्यक्ष जनपद पंचायत पामगढ़ श्रीमती रंजना मानेश जांगड़े, अध्यक्ष नगर पंचायत शिवरीनारायण राहुल थवाईत, अध्यक्ष नगर पंचायत राहौद श्रीमती प्रतिमा कश्यप, राजेन्द्र वैष्णव, गुलाब सिंह, चन्द्रशेखर देवांगन, अमर सुल्तानिया, संतोष लहरे, चन्द्रकांत तिवारी, प्रमोद कुमार सोनी, महेश कुमार सोनी, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, शिवरात्री प्रसाद यादव, योगेन्द्र कुमार सोनी, प्राचार्य डॉ. जी.सी. भारद्वाज सहित जनप्रतिनिधि, विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

खरौद में सरस्वती विद्यालय का किया शिलान्यास

वित्त मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओ. पी. चौधरी ने सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरौद में 8 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले अतिरिक्त कक्ष का शिलान्यास किया। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। शिक्षा का समाज और देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने शिक्षा एवं वर्तमान में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि साहस और संघर्ष के साथ चुनौतियों का सामना करना चाहिए।

अनमोल वचन......

कुछ लोग मरने से इतना डरते हैं कि वे कभी जीना ही नहीं चाहते।

हर रोज नई ऊंचाई

सोने और चांदी की कीमतों में जबर्दस्त उछाल का सीधा संबंध विश्व अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल से है, जिससे दुनिया की आर्थिक, वित्तीय, एवं मौद्रिक व्यवस्थाओं में दीर्घकालिक परिवर्तन की संभावना ठोस रूप ले रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव नाटकीय ढंग से बढ़ रहा है। इस गति की अपेक्षा उन लोगों को भी नहीं थी, जो अंतरराष्ट्रीय कारोबार की मुद्रा के रूप में डॉलर के भविष्य को लेकर आशंकित रहे हैं। सोमवार को न्यूयॉर्क में प्रति औंस सोने का भाव 5000 डॉलर के ऊपर चला गया। भारत में प्रति दस ग्राम सोने की कीमत एक लाख 66 हजार रुपये से अधिक हो गई है। इसी के साथ चांदी के भाव में बेहद तेज उछाल आया है। सोमवार को भारत में प्रति किलोग्राम चांदी का भाव तीन लाख 60 हजार रुपये से अधिक दर्ज किया गया। इन दोनों धातुओं की कीमत में जबर्दस्त उछाल का सीधा संबंध विश्व अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल से है, जिससे वैश्विक आर्थिक, वित्तीय एवं मौद्रिक व्यवस्थाओं में दीर्घकालिक परिवर्तन की संभावना ठोस रूप ले रही है। वैसे तो यह ट्रेंड कई साल पहले शुरू हो गया था, लेकिन 2025 में विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंकों के सोना खरीदने की होड़ काफी तेज हो गई। ऐसा पहली बार हुआ है कि सभी देशों को मिला कर देखें, तो उनके सेंट्रल बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में मौजूद सोने की कीमत उनके भंडार में मौजूद डॉलर की कीमत से अधिक हो गई है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय भुगतान में डॉलर अब भी सबसे बड़ा माध्यम है, लेकिन आनुपातिक रूप से इसके हिस्से में गिरावट आई है।

इस बीच डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों ने डॉलर को लेकर निवेशकों में अविश्वास और बढ़ाया है, जिस वजह से वे डॉलर संपत्तियां बेच कर सोना और चांदी खरीद रहे हैं। उनमें यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि देर-सबेर गोल्ड स्टैंडर्ड वापस आएगा, जिसमें मुद्राओं की कीमत संबंधित देश के भंडार में मौजूद सोने से तय होगी। जिंबाब्वे ने अपनी मुद्रा को स्वर्ण से जोड़ कर मुद्रास्फीति दर घटाने में अप्रत्याशित सफलता पाई है। इससे यह संदेश मजबूत हुआ है कि दुनिया एक बड़े बदलाव के मुहान पर है। मगर इस परिघटना का सबसे ज्यादा नुकसान भारत जैसे देशों के आम लोगों को हुआ है। सोना हर रोज उनकी पहुंच से और अधिक बाहर होता जा रहा है।

राशिफल

मेष राशि मंगलवार को मेष राशि वालों के लिए दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहने वाला है। सुबह के समय नए कार्यों को शुरू करने की इच्छा प्रबल रहेगी और आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ महसूस होगा। सामाजिक गतिविधियों या किसी छोटे आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ राशि के जातकों के लिए दिन थोड़ा उलझन भरा हो सकता है। कुछ काम अपेक्षा के अनुसार पूरे न होने से मन असंतुष्ट रह सकता है। कार्यस्थल पर दबाव अधिक महसूस होगा, जिससे मानसिक थकावट बढ़ सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियां धीरे-धीरे अनुकूल होने लगेंगी और रुके हुए कामों में गति आएगी।

मिथुन राशि वालों के लिए यह दिन सक्रियता और संपर्कों से भरा रहेगा। पारिवारिक और व्यावसायिक दोनों मोर्चों पर व्यस्तता बनी रहेगी। कोई नया अवसर या जिम्मेदारी मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

कर्क राशि के जातकों के लिए यह दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए प्रयासों की शुरुआत हो सकती है, लेकिन शुरुआत में दिशा को लेकर असमंजस महसूस होगा। वरिष्ठों की सलाह लेने से स्थिति स्पष्ट होगी। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत रहेगी, खासकर बाहर की भागदौड़ से बचना बेहतर रहेगा।

सिंह राशि वालों के लिए दिन की शुरुआत कुछ भारीपन के साथ हो सकती है। मानसिक तनाव या चिंता के कारण एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियों में सुधार आएगा और पारिवारिक माहौल सुखद बनेगा।

कन्या राशि के जातकों के लिए यह दिन संयम और धैर्य की मांग करेगा। नए कार्यों या लंबी यात्राओं को फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। मानसिक रूप से आप अंतर्मुखी रह सकते हैं और आध्यात्मिक विषयों की ओर झुकाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी या क्रोध से नुकसान हो सकता है, इसलिए संतुलित व्यवहार जरूरी रहेगा।

तुला राशि वालों के लिए मंगलवार का दिन सकारात्मक शुरुआत के साथ आएगा। नया काम शुरू करने या किसी योजना पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं और किसी अहम मीटिंग से फायदा हो सकता है। व्यापार विस्तार के लिए यात्रा की संभावना भी बन सकती है।

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह दिन बौद्धिक गतिविधियों और योजनाओं में व्यस्त रहने वाला है। धन से जुड़े मामलों में समय अनुकूल है और व्यापार में लाभ मिलने की संभावना है। दोपहर के बाद मित्रों या रिश्तेदारों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु राशि वालों को मंगलवार को स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम न मिलने से निराशा हो सकती है। यात्रा से बचना हितकर रहेगा। दोपहर के बाद परिस्थितियों में सुधार आएगा और ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा। आर्थिक लाभ के संकेत हैं और घर से जुड़े किसी कार्य पर खर्च संभव है।

मकर राशि के जातकों के लिए यह दिन भावनाओं पर नियंत्रण रखने का है। जमीन-जायदाद या दस्तावेजों से जुड़े मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। मानसिक चिंता बनी रह सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें। संतान या परिवार से जुड़ी किसी बात को लेकर मन व्यस्त रहेगा। अधिकारियों या प्रशासन से बातचीत में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। यात्रा की योजना फिलहाल टालना बेहतर रहेगा।

कुंभ राशि वालों के लिए दिन नए विचारों और योजनाओं से भरा रहेगा। हालांकि किसी बड़े निर्णय को लेने से पहले रुककर सोचने की जरूरत होगी। कार्यस्थल पर पुराने अधूरे काम निपटाने पर ध्यान जाएगा। रचनात्मक या साहित्य से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा है। दोपहर के बाद परिस्थितियों में बदलाव आएगा, लेकिन मन में भ्रम बना रह सकता है।

मीन राशि के जातकों के लिए मंगलवार को आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। खर्च बढ़ने से चिंता हो सकती है और आय बढ़ाने के नए विकल्पों पर विचार करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कड़ी रहेगी और विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। वाणी और व्यवहार में संयम रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए दिनचर्या पर ध्यान दें।

जनाब ओवैसी, कैथोलिक काऊंसिल से जाने सच्चाई

//शंकर शरण//

बिशप काउंसिल ने बाकायदा एक आयोग बनाकर इस मामले की पड़ताल करवाई। उस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005 से 2012 के बीच ही लव-जिहाद के लगभग चार हजार मामले हुए। केरल में 'इस्लामिक पोपुलर फ्रंट' की छात्र शाखा 'कैंपस फ्रंट' ने असंख्य क्रिश्चियन और हिन्दू लड़कियों को जाल में फँसा कर उन्हें मुसलमान बनाया है।कभी मौलाना मदनी द्वारा जिहाद को 'पवित्र' कहकर नाराजी दिखाना, तो कभी ओवैसी द्वारा 'लव-जिहाद' पर तंज कर चुनौती देना हिन्दू नेताओं की असलियत दिखाता है। आर.एस.एस. को चुनौती देकर ओवैसी का मजा लेना है। आखिर क्यों नहीं! ये अज्ञान और डर, दोनों प्रभाव से जीते है। गत 5 जनवरी प्रखर मुस्लिम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आर.एस.एस. नेता मोहन भागवत को चुनौती दी कि 'लव जिहाद परिभाषित' करें। क्योंकि इन्होंने अपने किसी भाषण में इस का उल्लेख किया था। ओवैसी ने भाजपा से भी माँग की कि, 'अगर देश में लव जिहाद हो रहा, तो इस के आँकड़े संसद में दें'। पर ओवैसी की चुनौती अनुत्तरित रही। अधिकांश संघ-भाजपा नेता मुहावरों, जुमलों, आधी-अधूरी बातों तक ही रहते हैं। किन्तु ओवैसी भी गर 'लव-जिहाद' की सच्चाई जानना चाहते तो अपनी माँग कैथोलिक बिशप काऊंसिल ऑफ इंडिया और सीरियन मलाबार चर्च से करते। लव-जिहाद का मामला सब से पहले भारत के क्रिश्चियन नेताओं ने उठाया था। वे वर्षों से इस पर लड़ रहे हैं। कैथोलिक बिशप काऊंसिल और सीरियन मलाबार चर्च ने 2020 में बिशप सम्मेलन (सायनोड) के आधिकारिक बयान में कहा था कि 'लव-जिहाद एक सचाई है', और खतरा है।

बिशप काउंसिल ने बाकायदा एक आयोग बनाकर इस मामले की पड़ताल करवाई। उस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005 से 2012 के बीच ही लव-जिहाद के लगभग चार हजार मामले हुए। केरल में 'इस्लामिक पोपुलर फ्रंट' की छात्र शाखा 'कैंपस फ्रंट' ने असंख्य क्रिश्चियन और हिन्दू लड़कियों को जाल में फँसा कर उन्हें मुसलमान बनाया है। अतः यदि किसी संघ-भाजपा सांसद को इस पर तनिक भी चिन्ता हो, तो वह बिशप काउंसिल की रिपोर्ट के ही आंकड़े संसद में पेश करें – ताकि ओवैसी की चुनौती को वाक-ओवर न मिले।

राजनीति में ऐसी स्थितियाँ जनता के बीच धारणाएं बनाती हैं। उन धारणाओं के परिणाम होते हैं। अतः संघ-भाजपा नेताओं को अपनी ही बातों पर भागना नहीं चाहिए। वह भी इतना गंभीर मुद्दा, जो हिन्दू-जैन-क्रिश्चियन-सिख समाज के अस्तित्व से जुड़ा है।

आखिर, इस्लाम द्वारा दुनिया भर में अनेक जगह दूसरे धर्म-समाज को खत्म कर देना ऐतिहासिक सचाई है। इस पर मुस्लिम उलेमा, लीडर फख्र भी करते हैं। फारस, सीरिया, कौंस्टेंटिनोपल, लेबनान, कोसोवो ही नहीं – भारत के भी पश्चिमी और पूर्वी हिस्से में हजारों मील इलाकों और करोड़ों हिन्दू-सिख लोगों को इस्लाम ने हड़प लिया। उस का औजार जिहाद ही है। इस में लव-जिहाद के विविध रूप भी शामिल हैं।

यह न केवल भारत, बल्कि अनेक यूरोपीय देशों में भी चल रहा है। वहाँ यह गतिविधि 'ग्रूमिंग गैंग' के काम से भी जानी जाती है। जिस की शिकार अधिकांशतः गोरी क्रिश्चियन लड़कियाँ और शिकारी अधिकांश पाकिस्तानी मूल के मुस्लिम होते हैं। सिख लड़कियों को भी 'के टु के' (कौर से खान) बनाने का धंधा जाहिर है। सो, यूरोप या भारत में लव-जिहाद वास्तविक है।यहाँ केरल सरकार और हाई कोर्ट ने भी इस का नोटिस लिया है। वहाँ के कम्युनिस्ट मुख्य मंत्री वी. एस. अच्युतानन्दन ने बरसों पहले, 2010 में ही, इस पर चेतावनी दी थी। उन के शब्दों में, एक मुस्लिम दल 'मनी और मैरेज' द्वारा दो दशक में केरल को पूर्ण इस्लामी बनाने की योजना पर चल रहा है। क्या ओवैसी ने इस पर भी ध्यान नहीं दिया था।

केरल हाई कोर्ट ने भी 2009 और 2017 में इस का संज्ञान लिया था। यद्यपि कोर्ट की टिप्पणी थी कि सभी अंत-धर्म विवाहों को 'लव जिहाद' की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। किन्तु इस में साफ ध्वनि है कि कुछ मामले ऐसे हैं। वे कौन से मामले हैं, और कितने हैं। निस्संदेह, यह कार्यपालिका और विधायिका के कर्णधारों को देखना था। इस पर बोलना और इस में हो रहे छल-प्रपंच, और दबाव-ब्लैकमेल, आदि को रोकना था। इस बिन्दु पर ओवैसी की चुनौती बिलकुल सही है।

पर 'लव-जिहाद' की परिभाषा तो केरल के मुख्यमंत्री बता चुके – 'मैरेज का इस्तेमाल करके इस्लाम फैलाना'। वस्तुतः यही कुल जिहाद का उद्देश्य है – इस्लाम को बढ़ाना, और गैर-इस्लाम को मिटाना। इस्लाम की सारी लड़ाई बस इसी के लिए है। उस की बाकी सारी बातें दोयम या बहाना हैं।

कुरान की अनगिनत आयतें, जैसे 2.193; 8.39; 9.29; 9.111; 3.28; आदि जिहाद लड़ने की ताकीद करती हैं। जिस की एक ही टेक हैः जैसे हो, सब को अल्लाह और मुहम्मद का अनुयायी बनाओ, ताकि सब उन का हुक्म मानें (कुरान, 3ः32; 3ः132; 4ः59, आदि)। यही इस्लाम का आदि-अंत है। न इस से कम, न इस से अधिक। बाकी सब बातें कमतर या स्वैच्छिक हैं। केवल यह – इस्लाम फैलाओ, अन्य को मिटाओ – ही बुनियादी कौल है। इस्लामी राजनीति के सभी काम इसी के अंग हैं।

अतः, छल-बल या प्रेम से भी किसी हिन्दू, जैन, सिख, या क्रिश्चियन लड़की या लड़के को मुस्लिम बना लेना ही लव-जिहाद है। तलवार से, या प्रेम से – लक्ष्य वही है, मुस्लिम संख्या बढ़ाना। इस्लाम की ताकत बढ़ाना। इसी को कुरान, हदीस, और सीरा – इस्लाम की तीनों मूल किताबों में – 'अल्लाह का काम' कहा गया है। सो, लव-जिहाद या जबर-जिहाद, सभी इस्लाम के अनुरूप हैं। यह हर मौलाना जानता है। ओवैसी तो बखूबी जानते होंगे। वे केवल संघ-भाजपा नेताओं के अटपटेपन का मजा लेते रहते हैं!

पर, वस्तुतः अच्युतानन्दन वाली परिभाषा तेरह सदियों से भारत में घटित होती देखी जा सकती है। सभी इतिहासकारों के विवरण दिखाते हैं कि 712 ई. में आने वाले मुहम्मद बिन कासिम के पहले गिरोह से लेकर बाद की सदियों में आने वाले सभी मुस्लिम हमलावर – तुर्क, ईरानी, मंगोल, आदि – कोई भी अपनी बीवियाँ साथ नहीं लाए थे। सब ने यहीं की हिन्दू स्त्रियों, लड़कियों को गुलाम, रखैल, या बीवी बनाकर, और सब को मुसलमान बनाकर परिवार बनाया, या केवल औलादें पैदा की। इसे गुलाम-जिहाद, सेक्स-जिहाद, बलात्कार-जिहाद, रखैल-जिहाद, लव-जिहाद, जो भी कहें। बात वही रहेगी। आज इस का व्यवहारिक अर्थ किसी विस्थापित कश्मीरी पंडित या बंगलादेश के हिन्दू से पूछ लीजिए। वह इस के अनेक जीवित उदाहरण दे सकता है।

इस प्रकार, ऐतिहासिक रूप में, सीरिया, तुर्की, या ईरान के लगभग तमाम मुस्लिम ही नहीं – जो हजार साल पहले शत-प्रतिशत क्रिश्चियन या पारसी थे – बल्कि भारत-पाकिस्तान-बंगलादेश की संपूर्ण मुस्लिम आबादी के भी लगभग सभी लोग सारतः सेक्स-जिहाद या लव-जिहाद की उत्पत्ति हैं। किसी मुस्लिम तारीखनवीस ने भी, सदियों की तारीख में, एक भी हिन्दू, जैन, या सिख पिता का उदाहरण नहीं दिया है जिस ने स्वेच्छा से अपनी बेटी किसी मुगल बादशाह को भी दी हो। सो, क्रिश्चियन-यहूदी-हिन्दू-जैन-सिख लड़कियों, स्त्रियों को मुसलमान बनाना पूरे विश्व में, सदैव एकतरफा और जबरिया मामला था, और है।

यदि सदियों पुरानी यह सच्चाई दूर की लगे, तो अभी हाल का देख लीजिए। केवल पैंतीस वर्ष पहले, 1990 में कश्मीर में नारा दिया गया था – 'असि छु बनावुन पाकिस्तान, बटव रोस तु बटन्यव सान' (हम पाकिस्तान बनाएंगे, कश्मीरी पंडितों को खत्म कर, मगर उन की स्त्रियों को रख कर)। उस का पूरक नारा भी था – 'या रलिव, या गलिव, या चलिव' (या तो इस्लाम में मिल जाओ, या खत्म हो जाओ, या भाग जाओ)।यह सब क्या था, जनाब ओवैसी? पूरी की पूरी मुस्लिम जमात समूचे प्रदेश में कहती है कि वे 'हिन्दू स्त्रियों को रखेंगे, मगर हिन्दू पुरुषों को भगाएंगे'! किसलिए। ओवैसी इस से अनजान क्यों बन रहे हैं? केवल संघ-भाजपा के गैंडाखाल या अज्ञानी ही हिन्दू नहीं। असंख्य सामान्य हिन्दू भी हैं, जो इस्लाम की टेक और उस का इतिहास जानते हैं। उन के जले पर नमक छिड़कना इन्सानियत के खिलाफ है। औवेसी को कभी इस्लामियत से ऊपर उठ कर इन्सानियत का ख्याल करना चाहिए। इन्सानियत बड़ी और स्थाई चीज है। इस्लामियत छोटी और आनी-जानी।सो, कश्मीर में तलवार-जिहाद और सेक्स-जिहाद का तालमेल अपवाद नहीं था। जो बात वहाँ कश्मीरी में कही गई थी, वही आज पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती हिन्दुओं को बंगला में कही जाती है। सुनिए – 'गोरू राखबि कैंपे, टाका राखबि बैंके, बोउ राखबि कोथाय?' (गायों को सी.आर.पी.एफ. कैंपों में रख कर बचाओगे, रूपए को बैंक में रखकर बचाओगे, मगर अपनी स्त्रियों को कहाँ रखोगे?)।

यह सब क्या है? बिलकुल साफ बलात-जिहाद और सेक्स-जिहाद। वही, जो आठवीं सदी में मुहम्मद बिन कासिम के समय में गुलाम-जिहाद और रखैल-जिहाद था। आज कश्मीर और बंगाल की उक्त दोनों परिघटनाओं को बलात्कार-जिहाद के सिवा और क्या कहना चाहिए? आलिम या ईमाम इस पर चुप रहते हैं। पर विवेकशील मुस्लिम नेताओं को तो विशेषाधिकारी, घमंडी भावना से उबरना चाहिए। इस्लाम तलवार में मजबूत जरूर है, पर बाकी हर चीज में सदा से फिसड्डी। विचार, ज्ञान, साइंस, और मानवीय संस्कृति बिलकुल गोल। यह अभाव आज नहीं कल उसे ठंडा कर देगा। तब तक वह चाहे भारत के गैर-मुस्लिमों पर कब्जा ही क्यों न कर ले, या उन्हें मिटा भी दे। किन्तु अंततः इस्लाम का बेकार दिखना और खत्म हो जाना तय है। केवल इस की अवधि गैर-मुस्लिमों के अज्ञान में पड़े रहने, या इस्लाम के बारे में अपने अज्ञान से उबर जाने पर निर्भर है।पर अभी तो इस्लाम का भारत में दबदबा बेरोकटोक है। आर.एस.एस. को चुनौती देकर ओवैसी का मजा लेना इस का उदाहरण है। आखिर क्यों नहीं! जब संघ-भाजपा समेत सभी दल, शासक, अकादमियाँ, मीडिया, आदि उन की तवज्जो में लगे रहते हैं। अज्ञान और डर, दोनों प्रभाव से। वस्तुतः डर और अज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, और एक-दूसरे को बढ़ाते हैं। हिन्दू नेता इस के उदाहरण हैं।कभी मौलाना मदनी द्वारा जिहाद को 'पवित्र' कहकर नाराजी दिखाना, तो कभी ओवैसी द्वारा 'लव-जिहाद' पर तंज कर चुनौती देना हिन्दू नेताओं की असलियत दिखाता है। यह यहाँ जिहाद का नैतिक वर्चस्व ही है कि कोई हिन्दू नेता उसे आइना नहीं दिखाता। संसद से लेकर विधानसभाओं तक, एक भी नेता ऐसा नहीं जो काफिर के यानी पीड़ित के नजरिए से इस्लाम का सच दिखा सके।इस प्रकार, जिहाद के सिद्धांत-इतिहास से नौनिहालों को अनजान रख उन्हें आसान शिकार बनने छोड़ दिया गया है। जब जिहाद को भारत में ही कोई वैचारिक चुनौती नहीं, तब पाकिस्तान और बंगलादेश में तो उस का राज ही है। अतः उन देशों में जिहाद के हाथों हिन्दू आबादी का विनाश हो रहा है। कभी तेज, तो कभी धीमा। पर दिशा एक है।

भाजपा की राजनीतिक योजना क्या है?

//अजीत द्विवेदी//

तो समझना चाहिए कि उसे उसी तरह से प्लान किया गया है। यानी उसकी योजना ऐसी बनी है कि वह अनप्लांड लगे। यह बात अमेरिका के एक राष्ट्रपति ने कही थी। पूरी दुनिया की राजनीति पर यह बात समान रूप से लागू होती है। तभी प्रयागराज में शंकराचार्य को लेकर जो कुछ हो रहा है और उसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी का जो नया नियम लाया गया हैं उसे अनायास हुए नहीं मानना चाहिए। सरकार ने किसी योजना के तहत यूजीसी के नए नियम लागू किए हैं। उसने सामान्य वर्ग को अलग थलग करने और उसे उत्पीड़क साबित करने का जो नियम बनाया है वह संयोग नहीं है, बल्कि किसी प्रयोग का हिस्सा है।

इस समय पूरे देश में यूजीसी की ओर से लाए गए समानता के नए नियम पर विवाद हो रहा है। यूजीपी ने प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीच्यूट रेगुलेशन 2026 के नाम से नए नियम जारी किए हैं। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव खत्म करना बताया गया है। इस तरह का एक नियम 2012 में बना था, जो पहले से उपलब्ध था। उसमें कुछ बदलाव करके उसे नए रूप में प्रस्तुत किया गया है। 2012 के नियम में सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति यानी एससी और एसटी को उत्पीड़न से बचाने का प्रावधान किया गया था। अब उसमें अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही महिलाएं और दिव्यांगजनों को भी शामिल किया गया है। महिलाओं और दिव्यांगों में हर वर्ग के छात्र शामिल होंगे। इसका मतलब है कि सामान्य वर्ग के एक छोटे से समूह को पहले से ही अत्याचारी या उत्पीड़क मान कर बाकी लोगों को उससे बचाने का प्रावधान किया गया है। 2012 के कानून में भेदभाव या उत्पीड़न की फर्जी शिकायत करने पर कार्रवाई का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है। यानी एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग अगर चाहें तो किसी भी सामान्य वर्ग के छात्र के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और शिकायत गलत पाए जाने पर उनके खिलाफ किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो सकती है। हर संस्थान में इक्विटी कमेटी और इक्विटी स्क्वॉयड बनाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बदलाव करके यह नियम बनाया गया है कि इसमें सामान्य वर्ग के किसी व्यक्ति को रखना अनिवार्य नहीं होगा।सोचें, क्या इससे भी ज्यादा भेदभाव या असमानता की कोई व्यवस्था हो सकती है? इसमें एक समूह को पहले से अपराधी मान कर उसे सजा के योग्य ठहरा दिया गया है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला नियम है, जो कानून विरूद्ध है और संविधान विरूद्ध है। यह प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांत के भी विरूद्ध है। भारत सरकार ने जब अंग्रेजों के जमाने की भारतीय दंड संहिता समाप्त की और उसकी जगह भारतीय न्याय संहिता लागू की तो कहा कि अंग्रेजों ने दंड का प्रावधान किया था लेकिन अब सरकार न्याय की व्यवस्था ले आई है। क्या यही न्याय की व्यवस्था है कि आप एक समूह को पहले से अपराधी मान लेंगे? सवाल है कि आरोप लगाए जाने और दोष सिद्ध होने से पहले किसी को अपराधी कैसे माना जा सकता है? भारत में न्याय की व्यवस्था महर्षि याज्ञवल्क्य के समय बनी, जिसमें वाचस्पति ने नव्य न्याय की धारणा जोड़ी। इसके मुताबिक दोष सिद्धि से पहले किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता है। संविधान का अनुच्छेद 14 और 15 कानून के समक्ष सबकी समानता और धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, क्षेत्र आदि के आधार पर किसी किस्म के भेदभाव को निरस्त करता है। लेकिन यहां भारत सरकार ने जाति के आधार पर एक समूह को पहले ही अपराधी मान लिया है। किसी सभ्य समाज में ऐसी व्यवस्था की कल्पना भी कैसे की जा सकती है। इसी तरह का एक बिल मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार भी ले आई थी। कम्युनल वायलेंस बिल की मूल अवधारणा हिंदू को दंगाई मानने की थी। ऐसा कानून बन रहा था, जिसके मुताबिक कहीं भी दंगा होगा तो हिंदू को दोषी माना जाएगा। ठीक उसी तरह का नियम सरकार ले आई है, जिसके मुताबिक किसी भी शिक्षण संस्थान में अगर भेदभाव होता है या उत्पीड़न की घटना होती है तो सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक को उसका दोषी माना जाएगा। एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग कभी भी आरोपी या दोषी नहीं बनाए जाएंगे। अब जरा इसके व्यावहारिक पक्ष की कल्पना करें। किसी भी शिक्षण संस्थान में जाने वाले सामान्य वर्ग के छात्र के ऊपर कितना मानसिक दबाव होगा। वह हर समय इस आशंका में रहेगा कि उपरोक्त पांच समूहों का कोई छात्र उसके खिलाफ शिकायत कर सकता है और उसका करियर समाप्त कर सकता है। क्या सरकार कथित ऐतिहासिक गलतियों को दुरुस्त करने के लिए रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन के जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा से दूर करना चाहती है।

सरकार ने यह काम ऐसे समय में किया है, जब सामाजिक स्तर पर असमानता कम हो रही है, समाज ज्यादा समरस बन रहा है और सत्तारूढ़ दल खुद ही व्यापक हिंदू एकता के लिए काम कर रहा है। दूसरी ओर आर्थिक स्तर पर असमानता बढ़ रही है। सरकार का यह नियम विभिन्न जातियों और समाजों के बीच वैमनस्य और भेदभाव बनाने वाला प्रतीत होता है। अगर इसके राजनीतिक पहलुओं को देखें तो क्या भारतीय जनता पार्टी और उसकी केंद्र सरकार को लग रहा है कि वह सामान्य वर्ग को अलग थलग करके या उसके प्रति द्वेष दिखा कर एससी, एसटी और ओबीसी के बड़े जातीय समूह को अपने साथ करे लेगी और इससे उसे चुनावी जीत का स्थायी फॉर्मूला मिल जाएगा। क्या वह कांग्रेस और प्रादेशिक पार्टियों की बहुजन राजनीति के जवाब के तौर पर यह नियम लेकर आई है। ऐसा होना नहीं चाहिए क्योंकि भाजपा के नेता अर्थव्यस्था, कूटनीति, प्रौद्योगिकी आदि समझें न समझें राजनीति बखूबी समझते हैं। उनके पता होता है कि किस बात से चुनावी नुकसान होगा और किस बात से फायदा होगा। तभी हैरानी हो रही है कि राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला इतना बड़ा कदम इस सरकार ने कैसे उठाया।

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी ने देश के अल्पसंख्यकों को पहले ही अपने से अलग कर दिया है। उत्तर प्रदेश में खुल कर 80 और 20 की लड़ाई बताई जाती है। लेकिन यह विभाजन राष्ट्रीय स्तर पर भी है। भाजपा ने 20 फीसदी अल्पसंख्यकों को अपने से अलग मान लिया है। उसे 80 फीसदी हिंदुओं की राजनीति करनी है। अब क्या वह इस 80 फीसदी के समूह को और छोटा करने की जोखिम ले सकती है? क्या इसमें से 15 फीसदी सामान्य वर्ग बाहर हो जाए तो भाजपा 65 फीसदी के वोट की राजनीति करके चुनाव जीत सकती है। ध्यान रहे सामाजिक स्तर पर एससी और एसटी का टकराव ओबीसी के साथ ज्यादा है। एससी, एसटी उत्पीड़न कानून के तहत 80 से 90 फीसदी मामलों में आरोपी पिछड़ी जातियों के हैं। इस कानून के दुरुपयोग के अनगिनत मामले सामने आ चुके हैं और अदालतों ने इस पर अनेक बार टिप्पणियां की हैं। लेकिन शिक्षण संस्थान में ओबीसी को भी एससी और एसटी के साथ ही उत्पीड़न के शिकार वर्ग में शामिल किया जा रहा है। क्या इससे तीनों समूहों के बीच समाज में भी समरसता स्थापित हो जाएगी। इसमें संदेह है लेकिन इससे एससी, एसटी व ओबीसी के साथ सामान्य वर्ग के संबंधों में तनाव जरूर बढ़ जाएगा। क्या सरकार यह तनाव बढ़ाना चाहती है। अगर राज्यवार देखेंगे तो भाजपा को राजनीतिक नुकसान की संभावना और ज्यादा दिखेगी। मिसाल के तौर पर झारखंड में मुस्लिम, ईसाई और आदिवासी भाजपा के खिलाफ हैं। अगर सामान्य वर्ग भी खिलाफ हुआ तो भाजपा के पास क्या बचेगा। उत्तर प्रदेश में 80 और 20 की लड़ाई है। 80 में से 10 फीसदी यादव को पहले ही भाजपा ने अलग कर दिया है। अगर बचे हुए 70 फीसदी में से 20 से 25 फीसदी सामान्य वर्ग के लोग अलग हुए तो भाजपा के पास क्या बचेगा राजनीति करने को। भाजपा के नेता इतने नासमझ तो नहीं हैं कि वे यह मानने लगें कि शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी के साथ ओबीसी को भी शोषित वर्ग में शामिल कर देने से उत्तर प्रदेश और बिहार में यादव भाजपा को वोट देने लगेंगे। दो तीन राज्यों के उदाहरण का विस्तार पूरे देश में किया जा सकता है। सो, कुल मिला कर यूजीसी का यह नियम सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला और समानता की भावना के विपरीत तो है ही साथ ही भाजपा को बड़ा राजनीतिक नुकसान पहुंचाने वाला भी हो सकता है।

भारत में ही सबसे पहले गणतंत्र था

बिहार का वैशाली (लिच्छवी गणराज्य) विश्व का पहला सफल गणतंत्र माना जाता है। जब यूनान में नगर-राज्यों की अवधारणा आकार ले रही थी, उससे बहुत पहले भारत में पूरी तरह विकसित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ मौजूद थीं। ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार 'गण' शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि हमारे पूर्वज संख्या-बल और सामूहिक निर्णय की शक्ति को भली-भांति समझते थे। प्राचीन काल की सभा और समिति इस बात का प्रमाण हैं कि प्रजातंत्र के ये दो महत्वपूर्ण स्तंभ उस समय भी सक्रिय थे। गौरव की बात है कि भारत में गणतंत्र की अवधारणा केवल 1950 से शुरू नहीं होती, बल्कि इसकी जड़ें हमारी प्राचीन सभ्यता, वैदिक संस्कृति और इतिहास में बहुत गहराई तक फैली हुई हैं। पूरे विश्व को गणतंत्र का पाठ सबसे पहले इसी धरती से मिला। हमारे ही देश में सर्वप्रथम गणतंत्र स्थापित हुआ, जिसकी सफलता ने संसार का ध्यान अपनी ओर खींचा। ऋग्वेद और अथर्ववेद में गण, सभा और समिति जैसी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है, जो लोकतांत्रिक ढंग से निर्णय लेती थीं। 'गण' शब्द का अर्थ ही जनता का समूह है, जहाँ शासक का चयन योग्यता के आधार पर होता था।

इतिहास के प्रमाण बताते हैं कि बिहार का वैशाली (लिच्छवी गणराज्य) विश्व का पहला सफल गणतंत्र माना जाता है। जब यूनान में नगर-राज्यों की अवधारणा आकार ले रही थी, उससे बहुत पहले भारत में पूरी तरह विकसित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ मौजूद थीं। असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और भारत विभाजन की पीड़ा के बाद 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ हमारा संविधान आधुनिक भले ही हो, लेकिन उसकी आत्मा में 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसी प्राचीन भारतीय भावनाएँ समाई हुई हैं। संविधान निर्माताओं ने पश्चिमी मॉडलों के साथ-साथ भारत की अपनी सांस्कृतिक विरासत और पंचायत परंपरा को भी महत्व दिया।

यह दिन केवल संविधान के लागू होने का उत्सव नहीं है, बल्कि उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर भी है, जिन्होंने एक स्वतंत्र और संप्रभु भारत का सपना देखा था। 26 जनवरी का यह राष्ट्रीय पर्व हमें याद दिलाता है कि हम एक ऐसी महान परंपरा के उत्तराधिकारी हैं, जिसने दुनिया को लोकतंत्र की दिशा दिखाई। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वर्णित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ यह सिद्ध करती हैं कि भारत में लोकतंत्र कोई आयातित विचार नहीं, बल्कि हमारी अपनी मिट्टी और वेदों की मौलिक देन है। यह भी सच है कि संविधान निर्माताओं ने इस व्यवस्था की प्रेरणा पवित्र वेदवाणी से ही ली।

यह भारतीय गणतांत्रिक परंपरा की ऐतिहासिक जड़ों को उजागर करता है और साबित करता है कि लोकतंत्र और गणतंत्र की अवधारणाएँ भारत में सहस्राब्दियों पहले से मौजूद थीं। संसार के आदिग्रंथ ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार 'गण' शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि हमारे पूर्वज संख्या-बल और सामूहिक निर्णय की शक्ति को भली-भांति समझते थे। प्राचीन काल की सभा और समिति इस बात का प्रमाण हैं कि प्रजातंत्र के ये दो महत्वपूर्ण स्तंभ उस समय भी सक्रिय थे। समिति आज की संसद या लोकसभा जैसी थी, जहाँ जनता और प्रतिनिधि नीति-निर्धारण के लिए एकत्र होते थे, जबकि सभा राज्यसभा या विद्वत परिषद की तरह कार्य करती थी, जहाँ अनुभवी लोग परामर्श और न्याय का दायित्व निभाते थे। ऋग्वेद का वह मंत्र, जिसमें एकमत होकर निर्णय लेने की प्रार्थना की गई है, आधुनिक आम-सहमति के सिद्धांत का प्राचीनतम रूप माना जा सकता है। बौद्ध ग्रंथों में भगवान बुद्ध के समय शलाका अर्थात मतपत्र द्वारा मतगणना का उल्लेख मिलता है, जो यह स्पष्ट करता है कि भारत में मतदान की प्रक्रिया अत्यंत विकसित थी। गण और संघ के माध्यम से बहुमत के आधार पर निर्णय लेना हमारी प्रशासनिक कुशलता का प्रतीक था। बाद में कुछ कारणों से व्यवस्था राजतंत्र की ओर मुड़ गई, लेकिन भारत की मूल चेतना हमेशा गणतांत्रिक बनी रही। आज की पीढ़ी के लिए यह प्राचीन भारतीय गणतांत्रिक व्यवस्था अत्यंत प्रेरक है, क्योंकि अक्सर यह मान लिया जाता है कि लोकतंत्र पश्चिम की देन है। वास्तव में गण से गणतंत्र तक की यात्रा भारत की अपनी यात्रा है। इससे हम 26 जनवरी के वास्तविक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को समझ सकते हैं। भारत के प्राचीन राजनीतिक इतिहास और विकसित संवैधानिक ढाँचे यह सिद्ध करते हैं कि आज के युग में भी हमारे लोकतंत्र की सफलता के पीछे सहस्राब्दियों पुरानी सुव्यवस्थित शासन परंपरा है। संसदीय शब्दावली की प्राचीनता इस तथ्य से समझी जा सकती है कि आज जिसे 'कोरम' कहा जाता है, उसे प्राचीन काल में 'गणपूरक' कहा जाता था। इसका अर्थ था कि न्यूनतम सदस्यों की उपस्थिति के बिना सभा मान्य नहीं होगी। सचेतक अर्थात 'व्हिप' की अवधारणा भी तब मौजूद थी, जिससे अनुशासन बना रहता था।

अजित पवार निधनः खास जगह रखा गया पार्थिव शरीर

मुंबई, 29 जनवरी [एजेंसी]।

महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे कद्दावर चेहरों में से एक और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का बुधवार सुबह एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया। यह दुर्घटना पुणे जिले के उनके गृहनगर बारामती के हवाई अड्डे के पास लैंडिंग के दौरान हुई। क्रैश होने के साथ ही विमान विस्फोट के साथ आग का गोला बन गया। विमान में सवार चालक दल सहित सभी पांच लोगों की इस दुर्घटना में जान चली गई। प्रदेश सरकार ने राज्य में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। छह बार राज्य के उपमुख्यमंत्री रहे अजीत पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह 11 बजे बारामती में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के विभिन्न नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बारामती पहुंचे और अजित पवार की मौत को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक अच्छा दोस्त खो दिया है। डीजीसीए ने हादसे के कारणों की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआइबी) की एक विशेषज्ञ टीम दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई है, ताकि दुर्घटना की फोरेंसिक जांच शुरू की जा सके। महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में दादा के नाम से मशहूर 66 वर्षीय अजीत पवार बुधवार सुबह करीब 8.10 बजे मुंबई से पुणे जिले स्थित बारामती के लिए रवाना हुए थे।वह वहां पांच फरवरी को होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों के प्रचार के लिए चार जनसभाओं को संबोधित करने जा रहे थे। दुर्घटना में मारे गए अन्य लोगों में कैप्टन सुमित कपूर, को-पायलट कैप्टन शाम्भवी पाठक, अजीत पवार के पर्सनल सिक्योरिटी आफिसर विदित जाधव और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली शामिल हैं। कैप्टन सुमित कपूर को 15,000 घंटे और कैप्टन शाम्भवी पाठक को 1,500 घंटे की उड़ान का अनुभव था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, सुबह करीब 8.44 बजे बारामती हवाई अड्डे पर उतरते समय यह निजी चार्टर्ड विमान लियरजेट 45 (वीटी-एसएसके) दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई।नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू के अनुसार उस समय विजिबिलिटी (दृश्यता) काफी कम थी। पायलट ने पहली बार में रनवे नहीं दिखने पर गो-अराउंड (खराब मौसम समेत विभिन्न कारणों से लैंडिंग को टालना) किया।गो-अराउंड के बाद लैंडिग के लिए मंजूरी दी गई थी, लेकिन मंजूरी मिलने के बाद भी पायलट ने एटीसी को कोई रीड-बैक (एटीसी का संदेश नहीं दोहराया) नहीं दिया और कुछ ही देर बाद रनवे के किनारे उसमें आग लग गई।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बारामती में एयर ट्रैफिक कंट्रोल संभालने वाले व्यक्ति के हवाले से बताया गया कि शांत मौसम की रिपोर्ट के बावजूद लैंडिंग की कोशिश के दौरान विमान को विजिबिलिटी की समस्या हुई। सुबह 8.18 बजे बारामती से 30 नाटिकल मील (लगभग 55 किमी) दूर विमान ने पहली बार बारामती एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया।चालक दल को बताया गया था कि हवा शांत है और विजिबिलिटी लगभग 3,000 मीटर है। दूसरी कोशिश की शुरुआत में चालक दल ने रनवे अभी भी नहीं दिखने की बात कही थी, लेकिन कुछ ही सेकंड बाद कहा कि रनवे दिख रहा है।इस पर एटीसी ने सुबह 8.43 बजे लैंड करने की अनुमति दे दी। लेकिन चालक दल ने एटीसी का संदेश नहीं दोहराया और 8.44 बजे एटीसी कर्मियों ने रनवे के किनारे आग की लपटें उठते देखीं। दुर्घटनास्थल से आ रही तस्वीरें दिल दहला देने वाली थीं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान के गिरते ही एक जोरदार धमाका हुआ और आसमान में धुएं का गुबार छा गया। स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि किसी को बचाया नहीं जा सका। बाद में अजित पवार के शव की पहचान उनकी कलाई घड़ी से की गई। एक अधिकारी ने बताया कि विमान से मिले ब्लैक बाक्स (फ्लाइट डेटा रिकार्डर और काकपिट वायस रिकार्डर शामिल) को रिकवर करने के बाद हादसे की वजह पता लगाने के लिए उसका विश्लेषण किया जाएगा।वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित यह विमान 16 वर्ष पुराना था। वीएसआर वेंचर्स के मालिक वीके सिंह ने कहा कि पायलट शायद रनवे नहीं देख पाया और उसने मिस्ड अप्रोच किया, जो ऐसे मामलों में एक स्टैंडर्ड प्रोसीजर है।वीएसआर वेंचर्स के बेड़े में सात लियरजेट 45 विमान (हादसे में शामिल विमान सहित), पांच एंब्रेयर 135बीजे विमान, चार किंग एयर बी200 विमान और एक पाइलाटस पीसी-12 विमान शामिल हैं। बारामती का हवाई अड्डा एक अनकंट्रोल्ड एयरफील्ड है जहां आमतौर पर स्थानीय फ्लाइंग ट्रेनिंग संगठनों के इंस्ट्रक्टर और पायलट ट्रैफिक की जानकारी देते हैं।अजीत पवार का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद राजनीतिक हलकों में इस दुर्घटना को लेकर सियासत भी शुरू हो गई। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस दुर्घटना में साजिश की गंध महसूस करते हुए सर्वोच्च न्यायालय की देखरेश में इसकी जांच की मांग की। लेकिन अजीत पवार के चाचा एवं महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह महज एक हादसा था। इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। विमानन विशेषज्ञ और सेवानिवृत पायलट एहसान खालिद का कहना है कि दुर्घटनास्थल पर मौजूद सभी साक्ष्यों को संरक्षित रखा जाए, उनके साथ छेड़छाड़ न हो, क्योंकि वे एएआइबी की जांच के लिए महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा, दृश्यता न तो बहुत अच्छी थी और न ही खराब, लेकिन यह इतनी खराब भी नहीं थी कि मार्ग बदलने की आवश्यकता होती।ऐसा प्रतीत होता है कि विमान ने उतरने का प्रयास किया और उसके बाद वह चक्कर लगाने लगा, जिसका अर्थ है कि उसने लैंडिंग को रद कर दी थी। खालिद ने कहा कि जहां तक उन्हें पता है, बारामती हवाई अड्डे पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम नहीं है, इसलिए खराब दृश्यता की स्थिति में पायलट और विमान को रनवे के साथ अपनी नजरों से ही आगे बढ़ना पड़ता है और यदि दृश्यता कम है, तो उपकरणों से बहुत कम मदद मिलती है। यह सिस्टम लगा होता तो हादसा टाला जा सकता था।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में बड़ी साजिश नाकाम

LoC के पास गोला-बारूद बरामद, आतंकियों की तलाश में जुटी सेना

श्रीनगर, 29 जनवरी [एजेंसी]।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां सेना के जवानों ने LoC के पास एक जंगल से आतंकवादियों द्वारा

छिपाए गए भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को सुरक्षा बलों ने जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास एक जंगल इलाके में आतंकवादियों द्वारा छिपाए गए हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। उन्होंने बताया कि यह बरामदगी करनाह तहसील के रति तारी जंगल इलाके में तलाशी अभियान के दौरान की गई, जिसमें चार पिस्तौल, सात मैगजीन, तीन AK मैगज़ीन और 308 AK-47 राउंड शामिल थे।

एअर इंडिया प्लेन क्रैश से संबंधित अपीलों पर SC में होगी सुनवाई, 260 लोगों की हुई थी मौत

नईदिल्ली, 29 जनवरी [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की आधिकारिक जांच में खामियों को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए बुधवार को सहमति दे दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने इन याचिकाओं पर विचार करने का निर्णय लिया है। इनमें आरोप लगाया गया है कि वर्तमान जांच नागरिकों के जीवन, समानता और सच्ची जानकारी प्राप्त करने के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। अहमदाबाद से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट जा रही एअर इंडिया की बोइंग 787-8 फ्लाइट एआई171 उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों सहित कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। जनहित याचिका दायर करने वाले एनजीओ सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि

अब तक न तो केंद्र सरकार और न ही विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने याचिका पर अपना जवाब दाखिल किया है। विमानन क्षेत्र और पायलट एसोसिएशन लगातार बोइंग 787-8 विमानों की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं।भूषण ने तर्क दिया कि पायलटों का मानना है कि इन विमानों में तकनीकी समस्या है और इन्हें फिलहाल सेवा से हटा दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इतने बड़े स्तर के हादसे के लिए केवल एएआईबीकी जांच पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके लिए एक स्वतंत्र कोर्ट आफ इंक्वायरी होनी चाहिए।चीफ जस्टिस ने भूषण से कहा, मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई आज समाप्त हो जाएगी, और हम आपको जल्द ही अगली तारीख देंगे।

बहरहाल, हादसे में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल और फेडरेशन आफ इंडियन पायलट्स ने भी कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनकी मांग है कि इस पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी पूर्व जज की अध्यक्षता में कराई जाए। गौरतलब है कि पिछले साल 13 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि एएआइबी की प्रारंभिक रिपोर्ट मेंकैप्टन सभरवाल को दोषी नहीं ठहराया गया था। जनहित याचिका दायर करने वाले एनजीओ सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि अब तक न तो केंद्र सरकार और न ही विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने याचिका पर अपना जवाब दाखिल किया है। विमानन क्षेत्र और पायलट एसोसिएशन लगातार बोइंग 787-8 विमानों की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं।

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रनवे छूते ही वापस उड़ा Air India का विमान

पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री थे सवार

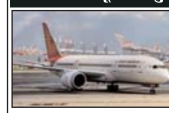

नई दिल्ली। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को एक ही दिन में दो विमानों को रनवे पर पहले प्रयास में नहीं उतारा जा सका। दिल्ली से जयपुर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट की सफल लैंडिंग नहीं हो पाई। विमान रनवे को छूते ही वापस उड़ गया। जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। करीब दस मिनट तक विमान आसमान में चक्कर लगाता रहा। दरअसल जब विमान के पायलट को यह लगता है कि विमान ठीक तरह से लैंड नहीं कर पाएगा तो वो उस समय विमान को फिर से हवा में चक्कर लगाने के लिए ऊपर ले जाते हैं, स्थिति सामान्य होने के बाद पुन लैंडिंग करते हैं।इस विमान में पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी सवार थे। करीब दस मिनट बाद दूसरे प्रयास में विमान को सुरक्षित हवाई अड्डे पर उतारा जा सका।

देहरादून से जयपुर पहुंची इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट भी पहली बार में हवाई अड्डे पर सुरक्षित तरीके से नहीं उतर सकी। यह फ्लाइट भी रनवे को छूते ही वापस हवा में ले जाई गई। पायलट ने सुरक्षा कारणों से विमान को फिर से हवा में उठा लिया। कुछ देर बाद स्थिति सामान्य होने पर इसको सुरक्षित उतारा गया।

हेमंत सोरेन पर बयानबाजी मामले में बाबूलाल को मिली राहत हाई कोर्ट ने वापस ली

रांची, 29 जनवरी [एजेंसी]।

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार के खिलाफ बयान देने के मामले में दर्ज प्राथमिकी को लेकर दाखिल बाबूलाल मरांडी की याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई।सुनवाई के बाद अदालत ने पीड़क कार्रवाई नहीं करने के आदेश को वापस ले लिया। इस दौरान बाबूलाल मरांडी की ओर से समय दिए जाने की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। मामले में अगले सप्ताह सुनवाई होगी। बयानबाजी करने पर बाबूलाल मरांडी के खिलाफ रामगढ़, सिमडेगा, बरहेट और मधुपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उनकी ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर प्राथमिकी निरस्त करने का आग्रह किया गया है।

एक यूट्यूब चैनल ने बाबूलाल मरांडी की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार के खिलाफ दिए गए साक्षात्कार को अपलोड किया था। जिसमें हेमंत सोरेन पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए कहा गया था कि हेमंत सोरेन और उनका परिवार पूरे राज्य में भ्रष्टाचार फैला रहा है।राज्य के नौकरशाह उनके नियंत्रण में है। इसके खिलाफ झामुमो के कार्यकर्ताओं ने राज्य के छह जिलों के थानों में प्राथमिकी दर्ज की थी। मामले को लेकर 25 अगस्त 2023 को सिमडेगा, रामगढ़ थाना और देवघर के मधुपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

संभल पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल,एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने एक झटके में बदले 35 दरोगा

बहजोई (संभल)। जिले में एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने दो निरीक्षक और 35 उप निरीक्षक के तबादले किए हैं। सम्मन सेल के प्रभारी रहे निरीक्षक नरेश पाल सिंह को अपराध निरीक्षक कोतवाली संभल बनाया गया है जबकि निरीक्षक अपराध शाखा धर्मेंद्र यादव को सम्मन सेल का प्रभारी नियुक्त किया गया है।चौकी प्रभारियों में उप निरीक्षक आशीष कुमार तोमर को चौकी प्रभारी सत्यव्रत संभल से चौकी प्रभारी चौधरी सराय थाना संभल, उप निरीक्षक अंकित कुमार को थाना धनारी से चौकी प्रभारी टांडा थाना संभल, बहजोई से कासिम अली को चौकी प्रभारी मंडी थाना संभल, पुलिस लाइन से विकास निर्वाल को चौकी प्रभारी सत्यव्रत थाना संभल, थाना जुनावई से अंकित कुमार को चौकी प्रभारी थाती थाना कैला देवी, जतिन कुमार को चौकी प्रभारी थाटी से चौकी प्रभारी फ़तेहुल्लाह गंज थाना हजरत नगर गढ़ी, अंकित कुमार को थाना एचौड़ा कंबोह से चौकी प्रभारी देहपा थाना नखासा, संदीप कुमार शर्मा को चौकी प्रभारी आटा थाना बनियाठेर से चौकी प्रभारी मनौटा थाना असमोली, सोनू चौधरी को चौकी प्रभारी अशोक नगर बनिया ठेर से नवनीत कुमार राघव को चौकी प्रभारी टी प्वाइंट रजपुरा से चौकी प्रभारी पतरिया थाना जुनावई सहित 35 उप निरीक्षकों को स्थानांतरित किया गया है।

नोएडा में कार रोकना ट्रैफिक पुलिस को पड़ा भारी, ड्राइवर ने सिपाही को दो किलोमीटर तक बोनट पर लटकाकर घसीटा

ग्रेटर नोएडा , 29 जनवरी [एजेंसी]।

बीटा दो कोतवाली क्षेत्र में चेकिंग के दौरान कार चालक को रोकना एक यातायात सिपाही गुरमीत चौधरी को भारी पड़ गया। कार चालक ने टक्कर मारने के बाद फरार होने की कोशिश की। इस दौरान यातायात कर्मी ने कार के बोनट पर लटकर किसी तरह अपनी जान बचाई। करीब दो किलोमीटर तक आरोपित चालक कार के बोनट पर बिठाकर यातायातकर्मी को घसीटता रहा। जिससे यातायात कर्मी को चोट भी आई है। इसका दो सैकेंड का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रासरित हो रहा है। जिसमें यातायातकर्मी गुरमीत बोनट पर लेटे दिखाई दे रहे हैं। कार की रफ्तार भी काफी तेज है। यातायातकर्मी की शिकायत पर बीटा दो कोतवाली पुलिस कार चालक को तलाशने में जुटी है। गुरमीत चौधरी यातायात पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। बुधवार दोपहर को वे पीथ्री गोलचक्कर पर तैनात थे। तभी एक लाल रंग की कार तेज रफ्तार से आती दिखाई दी। जिसे उन्होंने रूकने का इशारा किया। कार की रफ्तार कुछ कम हुई। जैस ही गुरमीत चालक की तरफ आगे बढ़े उसने कार दौड़ा दी।

गुरमीत ने कार के बौनट पर चढ़कर अपनी जान बचाई।

वहां खड़े किसी व्यक्ति ने इसकी वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दी। बीटा दो कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। कार व चालक की पहचान कर ली गई है। आरोपित कोतवाली क्षेत्र के ही एक सेक्टर का रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी को दो टीम गठित की गई है। आरोपित को जल्द गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

ईयू के बाद अब अमेरिका पर फोकस जयशंकर और रूबियो की होगी मुलाकात

नईदिल्ली, 29 जनवरी [एजेंसी]।

यूरोपीय संघ के साथ एफटीए वार्ता को अंतिम रूप देने के बाद भारत अपने एक अन्य मजबूत रणनीतिक साझेदार अमेरिका के साथ संबंधों पर ज्यादा फोकस कर रहा है। इसका उदाहरण है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर अगले सप्ताह अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं।जयशंकर वहां अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो की तरफ से क्रिटिकल मिनरल्स पर बुलाई गई सहयोगी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। इस दौरान भारत पैक्स सिलिका नाम की अमेरिकी पहल का सदस्य बनेगा। जयशंकर और रूबियो की अलग से भी वार्ता होगी।वैसे अभी तक इस बात का कोई संकेत नहीं है कि भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी समझौते को लेकर चल रही वार्ता पर सहमति बन गई है। इसके बावजूद जयशंकर की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच हालिया तनाव में कमी आने का संकेत है। पिछले एक महीने में अमेरिका के चार प्रमुख सांसद भारत की यात्रा पर आ चुके हैं। इन सांसदों ने जयशंकर समेत भारत के कुछ अन्य प्रमुख नेताओं से मुलाकात की है और द्विपक्षीय संबंधों में आए तनाव को दूर करने की जरूरत भी बताई है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों देशों में चल रहे संवाद के क्रम में ही जयशंकर की भावी अमेरिका यात्रा को देखा जाना चाहिए। पैक्स सिलिका में भारत के शामिल होने की घोषणा अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली में की थी। इसकी दिसंबर 2025 में शुरुआत हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य अत्याधुनिक उद्योगों के लिए जरूरी तकनीकों में जरूरी दुर्लभ धातुओं की आपूर्ति को सुरक्षित व भरोसेमंद बनाना है।इस बारे में हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई थी, जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया था। इसका एक अन्य मुख्य उद्देश्य दुर्लभ धातुओं की आपूर्ति के लिए चीन जैसे देशों पर निर्भरता कम करना भी है। जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन, इजरायल, आस्ट्रेलिया जैसे देश इसके सदस्य हैं। सनद रहे कि भारत और अमेरिका के बीच कई महीनों से कारोबारी समझौते पर वार्ता चल रही है, लेकिन दोनों पक्षों में अभी तक सहमति नहीं बन पाई है।

इस बीच भारत ने न्यूजीलैंड के साथ एफटीए कर लिया है, जबकि यूरोपीय संघ के साथ वार्ता सफलतापूर्वक समाप्त हो गई है। ईयू व भारत ने एक दिन पहले ही एफटीए वार्ता समाप्ति का एलान किया है, जिस पर अमेरिका में कई तरह की प्रतिक्रियाएं आई हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने कहा है कि इस समझौते से भारत को ज्यादा फायदा होगा। दूसरी तरफ, भारत के साथ कारोबारी समझौता नहीं होने की वजह से ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अमेरिका के भीतर ही आवाज उठ रही है।

बारामती को बहुत भरोसा था अपने दादा पर, अजित पवार के निधन के बाद शहर में सन्नाटा, फूट-फूटकर रोए लोग

मुंबई 29 जनवरी। अजीत पवार ने जिस बारामती को बड़ी जतन से गढ़ा और बनाया, अंततः उसी बारामती में वह खप गए। और दुर्घटनाग्रस्त विमान के अंदर उनकी पहचान भी हुई तो उस घड़ी से, जिसे उन्होंने अपने चाचा से लड़कर चुनाव चिन्ह के रूप में हासिल किया था।देश के कम ही नेता होंगे, जिन्होंने अपने चुनाव क्षेत्र को ऐसा गढ़ा होगा, जैसा अजीत पवार ने अपने चुनाव क्षेत्र बारामती को गढ़ा। शहर के अंदर से गुजरनेवाली नहर के बंधे पर सुबह टहलने के लिए ट्रैक बनाना हो, चाहे रिवर फ्रंट। शहर में हर तरफ चौड़ी-चौड़ी सड़कें हों, चाहे उन्हीं सड़कों के किनारे हरे-भरे वृक्ष, हर चीज अजीत पवार की व्यक्तिगत पसंद से सजाई-संवारी गई है। यही कारण है कि आज बारामतीवासी अपने अजीत दादा की याद में फूट-फूटकर रोते दिखाई दे रहे हैं।2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान पूरी बारामती चुप थी। या यूं कहें कि पूरी बारामती का एक-एक घर दो भागों में बंट गया था। क्योंकि मुकाबला ननद-भौजाई यानी अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार एवं अजीत पवार की चचेरी बहन सुप्रिया सुले में हो रहा था। इस मुकाबले में 50 की उम्र से नीचे के लोग जहां अजीत दादा के कारण सुनेत्रा पवार का साथ दे रहे थे, तो उससे ऊपर के लोग शरद पवार के कारण सुप्रिया सुले के साथ थे। इस मुकाबले में लोगों ने सुप्रिया सुले को जिताया, वह भी भारी बहुमत से। लेकिन छह माह बाद ही जब खुद अजीत पवार इसी बारामती विधानसभा क्षेत्र से आठवीं बार चुनाव लड़ने खड़े हुए, तो शरद पवार उनके विरुद्ध उनके ही सगे भतीजे युगेंद्र पवार को मुकाबले में उतार दिया।

50 हजार का कर्ज उतारने के लिए नाती ने अपने ही नाना-नानी को लूटा, दोस्तों के साथ मिलकर रची पूरी साजिश, गिरफ्तार

साहिबाबाद, 29 जनवरी [एजेंसी]।

खोड़ा थाना क्षेत्र में होलसेल कारोबारी से हुई लाखों की लूट का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। यह लूट पीड़ित के नाती ने अपने साथियों के साथ मिलकर की थी। आरोपित नाती ने 50 हजार रुपये का कर्ज उतारने के लिए लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपित नाती और उसके साथी लुटेरे को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से पुलिस ने लूटे गए 75 हजार रुपये, लूट की रकम से खरीदा गया आइफोन व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल आरोपितों के दो साथी अभी फरार हैं, उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि खोड़ा थानाक्षेत्र में 10 जनवरी को गजक के होलसेल कारोबारी राजीव गुप्ता और उनकी पत्नी के साथ लूट की वारदात हुई थी। दो बाइक सवार चार बदमाशों ने दुकान बंद कर घर जाते समय उनसे नकदी भरा बैग लूट लिया था। आरोपितों ने उनकी स्कूटी में बाइक से टक्कर मारकर गिरा दिया था और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे।

पीड़ित की तरफ से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ खोड़ा थाने पर केस दर्ज किया था। पुलिस ने लुटेरों का सुराग लगाने के लिए टीमों का गठन किया था। एसीपी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा ने पूरे क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और सर्विलांस की मदद लेकर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों में दीपांशु और यश गुप्ता शामिल हैं।

दोनों आरोपित खोड़ा थानाक्षेत्र के ही रहने वाले हैं।आरोपित यश गुप्ता पीड़ित गजक कारोबारी राजीव गुप्ता का नाती है। एसीपी की मानें तो पूछताछ में आरोपित यश गुप्ता ने बताया कि अपने शौक और मौजमस्ती के चक्कर में उसने तीन साल पहले पढ़ाई छोड़ दी थी। मौजमस्ती करने के चक्कर में उसपर कर्ज हो गया था। यश ने बताया कि उसने अपने दोस्त दीपांशु से 50 हजार रुपये उधार लिए थे, जिनके लौटाने के लिए दीपांशु उसपर दबाव बना रहा था। दीपांशु के पैसे लौटाने के लिए उसने अपने नाना को लूटने की साजिश रची थी।

हिंदी सिनेमा के लॉयन-किताबें बेचकर मुंबई पहुंचे, सीमेंट की पाइपलाइन में बिताई कई रातें

हिंदी सिनेमा की दुनिया में कई ऐसे नाम हैं, जिनका सफर खुद एक फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। इन्हीं में एक नाम है अजीत खान, जिन्हें हिंदी सिनेमा का लॉयन कहा जाता है। पर्दे पर रौबदार आवाज और आंखों में खौफ लिए खलनायक के रूप में नजर आने वाले अजीत का जीवन संघर्ष और त्याग से भरा रहा। बहुत कम लोग जानते हैं कि बॉलीवुड का लॉयन बनने के लिए कभी उन्होंने अपनी किताबें तक बेच दी थीं। अजीत का असली नाम हामिद अली खान था।

उनका जन्म 27 जनवरी 1922 को हैदराबाद में हुआ था। बचपन से ही उनके मन में फिल्मों को लेकर गहरी रुचि थी। पढ़ाई के साथ-साथ वह अभिनय की दुनिया के सपने देखा करते थे। उस दौर में फिल्मों में जाना आसान नहीं था। उनका इंडस्ट्री में न कोई गॉडफादर था और न ही उनके पास पैसे थे। इसके बावजूद अजीत ने तय कर लिया कि वह मुंबई जाकर सपनों को पूरा करेंगे। जब उन्होंने मुंबई जाने का फैसला किया, तब उनके पास सफर के लिए भी पूरे पैसे नहीं थे। ऐसे हालात में अजीत ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपनी पढ़ाई की किताबें बेच दीं, ताकि मुंबई पहुंच सकें। किताबें बेचकर वह मायानगरी पहुंचे, लेकिन यहां मुश्किलें खत्म नहीं हुईं, बल्कि असली संघर्ष यहीं से शुरू हुआ।

मुंबई में शुरुआती दिनों में अजीत को रहने के लिए भी जगह नहीं मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ समय तक उन्हें सीमेंट की पाइपलाइन में रहना पड़ा। बड़े शहर में अकेले, बिना पैसे और पहचान के टिके रहना आसान नहीं था, लेकिन अजीत ने हार नहीं मानी। वह छोटे-मोटे रोल करते रहे और इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश करते रहे।

साल 1946 में अजीत को फिल्म शाह-ए-मिस्र में बतौर हीरो काम करने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में मुख्य अभिनेता के तौर पर काम किया, लेकिन वह पहचान नहीं मिली, जिसकी उन्हें तलाश थी। इसके बाद, अजीत ने विलेन के किरदारों को निभाना शुरू किया और यहीं से उनके करियर ने नया मोड़ ले लिया।

विलेन के रूप में अजीत ने हिंदी सिनेमा को एक नया अंदाज दिया। वह पर्दे पर शांत, स्टाइलिश और खतरनाक विलेन के रूप में सामने आए। उनके डायलॉग्स, बोलने का तरीका और आंखों की भाषा दर्शकों के दिलों को छू जाती थी। सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है, मोना डार्लिंग और लिली, डोंट बी सिली जैसे डायलॉग आज भी लोगों की जुबान पर हैं।

अजीत ने करियर में कई यादगार फिल्मों में काम किया और हीरो को कड़ी टक्कर दी। खास बात यह थी कि विलेन होने के बावजूद उनकी फैन फॉलोइंग किसी हीरो से कम नहीं थी। पर्दे पर डर पैदा करने वाले अजीत असल जिंदगी में बेहद शांत और अनुशासित थे।

लंबे फिल्मी करियर के दौरान अजीत को उनके योगदान के लिए सम्मान भी मिला। उन्होंने हिंदी सिनेमा में विलेन की परिभाषा बदल दी और आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों के लिए एक मिसाल बन गए। 22 अक्टूबर 1998 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनका रौबदार अंदाज और संघर्ष से भरी कहानी आज भी लोगों को प्रेरित करती है।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी, कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे। उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे न्यूज दर्शन दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, लिटिल थिंग्स हुआ, गर्ल इन द सिटी हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

37 साल पहले आई थी जैकी श्रॉफ-अनिल कपूर की सुपरहिट फिल्म

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म राम लखन को रिलीज हुए 37 साल पूरे हो चुके हैं। 27 जनवरी 1989 को रिलीज हुई क्लासिक फिल्म आज भी दर्शकों के लिए खास है। फिल्म में जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर की जोड़ी ने दर्शकों का दिल जीता था। सुभाष घई ने एक इंटरव्यू में बताया था कि आमतौर पर वह किसी फिल्म की स्क्रिप्ट पर काफी समय लगाते हैं, लेकिन राम लखन के साथ ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट सिर्फ 15 दिनों में ही लिख दी थी। यह काम उन्होंने खंडाला में रहकर पूरा किया था। घई ने बताया था कि उन्हें फिल्म की शूटिंग जल्दी शुरू करनी थी, इसलिए उपलब्ध एक्टर्स के साथ काम किया। स्टार्स के बजाय वह ऐसे कलाकार चाहते थे जो तुरंत काम शुरू कर सकें। राम लखन एक फैमिली रिवेंज ड्रामा है, जिसमें दो भाइयों राम और लखन की कहानी है। राम (जैकी श्रॉफ) एक ईमानदार पुलिस अधिकारी

बनता है, जबकि लखन (अनिल कपूर) एक नटखट और लापरवाह युवक है। दोनों के पिता की हत्या उनके चाचा विश्वंभर (अमरीश पुरी) ने की होती है। उनकी मां शारदा (राखी) अपने बेटों को बदला लेने के लिए तैयार करती है। फिल्म में अच्छाई-बुराई, भाईचारा और इंसाफ की थीम है। सुभाष घई की फिल्म में जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर के साथ डिंपल कपाड़िया (राधा), माधुरी दीक्षित (चंदनी), अनुपम खेर, सतीश कौशिक, गुलशन ग्रोवर जैसे सितारे भी अहम किरदार में हैं। फिल्म में संगीत लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने दिया, जो सुपरहिट रहा। गाने जैसे माय नेम इज लखन, बड़ा दुख दिया ओ रामजी, तेरा नाम लिया तुझे याद किया आज भी लोकप्रिय हैं। जानकारी के अनुसार, राम लखन उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। यह ब्लॉकबस्टर साबित हुई और 35वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में 9 नामांकन मिले, जिसमें राखी को बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वहीं, सतीश कौशिक और अनुपम खेर को भी अवॉर्ड मिला था।

बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू को क्यों नहीं मिली जगह, डायरेक्टर अनुराग सिंह ने तोड़ी चुप्पी

फिल्मों के सीक्वल को लेकर दर्शकों की उम्मीदें हमेशा बहुत ज्यादा होती हैं। खासकर जब बात 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर की हो, तो सनी देओल, जैकी श्रॉफ और तब्बू जैसे कलाकारों ने उस फिल्म को खास बनाया था, लेकिन बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू की कमी दर्शकों ने महसूस की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए दोनों को फिल्म में शामिल न करने को लेकर कई सवाल किए।

अब इन सभी सवालों का जवाब फिल्म निर्देशक अनुराग सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए दिया। बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह ने कहा, किसी भी फिल्म की कास्टिंग भावनाओं या पुराने जुड़ाव के आधार पर नहीं, बल्कि कहानी की जरूरत के अनुसार होती है। फिल्म बनाते वक्त सबसे पहले कहानी पर ध्यान दिया जाता है, न कि इस बात पर कि किस अभिनेता को दोबारा लिया जाए। कहानी जिस तरह के किरदार मांगती है, कलाकारों का चयन उसी हिसाब से किया जाता है। अनुराग सिंह ने कहा, कोई भी निर्देशक यह सोचकर स्क्रिप्ट नहीं लिखता कि उसे किसी खास अभिनेता को ही लेना है। पहले एक ऐसी कहानी लिखी जाती है जो सच्ची लगे और दिल को छुए। उसके बाद यह सोचा जाता है कि उस किरदार को कौन सा कलाकार अच्छे से निभा पाएगा। कई बार ऐसा भी होता है कि किरदार लिखते समय किसी अभिनेता का चेहरा अपने आप दिमाग में आ जाता है, लेकिन यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती है, दबाव में लिया गया फैसला नहीं है।

सनी देओल को लेकर अनुराग सिंह ने कहा, बॉर्डर फ्रेंचाइजी को अगर किसी चेहरे से सबसे ज्यादा पहचाना जाता है, तो वह सनी देओल हैं। बॉर्डर नाम आते ही दर्शकों के मन में सनी देओल की छवि उभर आती है। इसलिए अगर बॉर्डर बनाई जा रही है, तो उसमें सनी देओल का होना जरूरी है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सनी देओल और निर्देशक जेपी दत्ता की पहचान बन चुकी है।

अनुराग सिंह ने कहा, रचनात्मकता पर जोर डालकर किसी अभिनेता को कहानी में फिट नहीं किया जा सकता। कुछ फिल्मों में यह संभव हो सकता है, लेकिन बॉर्डर 2 जैसी गंभीर और भावनात्मक फिल्म में ऐसा करना सही नहीं होता। अगर कहानी किसी और दिशा में जा रही है, तो कलाकारों का चयन भी उसी रास्ते पर चलता।

निर्देशक ने कहा, पूरी स्क्रिप्ट, किरदारों की गहराई और कहानी की मांग को देखकर मुझे लगा कि जो कास्ट चुनी गई है, वही इस फिल्म के लिए सबसे सही है। इसलिए उसी फैसले के साथ आगे बढ़ा गया। किसी कलाकार को शामिल न करने का मतलब यह नहीं कि उनके काम या योगदान को कम आंका गया है।

बॉर्डर 2 में इस बार नई पीढ़ी के कलाकारों को अहम जिम्मेदारी दी गई है। फिल्म में वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार सेना के जवानों के किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह जैसी अभिनेत्रियां हैं। यह फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

मॉडलिंग के लिए छोड़ी पढ़ाई, एक्टिंग के लिए घर से बगावत फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं पंजाब की कैटरीना की कहानी

हर बड़े सपने की कीमत होती है और उसे पूरा करने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। सिनेमा की दुनिया में नाम कमाने के लिए पंजाब की कैटरीना को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जी हां, हम बात कर रहे हैं शहनाज गिल की, जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रहीं। शहनाज ने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग की राह चुनी, परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग के लिए घर से भागीं। शुरुआती दिनों में घरवालों से नाता टूटा, अकेलेपन से जूझना पड़ा, लेकिन हिम्मत और लगन ने उन्हें सफलता भी दिलाई। संघर्ष, परिवार से बगावत और मेहनत से मिली सफलता की कहानी शहनाज गिल की है। पंजाबी सिनेमा और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल का जन्मदिन 27 जनवरी को है। उनकी जिंदगी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। मॉडलिंग के चक्कर में पढ़ाई छोड़ना, पिता से अनबन, घर से भागकर एक्ट्रेस बनने की ठानना और फिर बिग बॉस 13 से मिली शोहरत ने उन्हें पंजाब की कैटरीना का खिताब दिलाया।

शहनाज गिल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ। डलहौजी के डलहौजी हिलटॉप स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग का शौक हो गया। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने छोटे-मोटे मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स शुरू कर दिए। स्कूलिंग पूरी होते ही उन्होंने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बी.कॉम में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग की जिद में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इस फैसले से उनका परिवार उनसे नाराज भी रहा। मॉडलिंग से दूर रखने के लिए शादी की बात करने लगे, लेकिन शहनाज ने मना कर दिया। काम मिलता रहा, लेकिन पिता से अनबन बढ़ती गई। आखिरकार शहनाज ने घर छोड़ दिया और मॉडलिंग, एक्टिंग के लिए मुंबई की राह पकड़ ली। उन्होंने कसम खाई कि फेमस होने के बाद ही घर लौटेंगी।

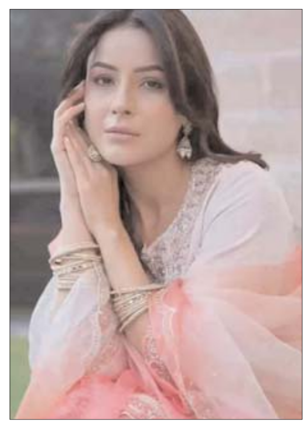

शब्द सामर्थ्य -299

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17			■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24		■	■	25				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 298 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
वा	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	बा	अ	द	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	ब	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

अपारशक्ति खुराना की पहली साउथ फिल्म रूट का फर्स्ट लुक आउट, गंभीर अवतार में आए नजर

हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके अभिनेता अपारशक्ति खुराना अब साउथ सिनेमा की तरफ रुख कर रहे हैं। वे जल्द ही अपकमिंग फिल्म रूट-रनिंग आउट ऑफ टाइम में नजर आएंगे। सूर्यप्रताप एस द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपारशक्ति की डेब्यू फिल्म है। इसमें उनके वे तमिल एक्टर गौतम कार्तिक के साथ नजर आएंगे। सोमवार को अपारशक्ति ने अपना लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस लुक में वे काफी शांत और गंभीर स्वभाव वाले नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, रूट की दुनिया से दूसरी झलक-यहीं से सब शुरू होता है। साइंस-फिक्शन क्राइम थ्रिलर पर आधारित फिल्म रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम को वेरस प्रोडक्शंस के बैनर तले शेख मुजीब, राजराजन ज्ञानसंबंदम, संजय शंकर और धनिष्टन फर्नांडो ने प्रोड्यूस किया है।

यातायात, साइबर, नशा मुक्ति, पाक्सो, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, शिक्षा एवं अनुशासन जैसे विषयों पर विद्यार्थी हुए जागरूक

धैर्य रखें सड़क पर लापरवाही न करें, दुर्घटना से देर भली-एसपी

कोरिया बैकुंठपुर। जिले में संचालित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जागरूकता अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुमार कुर्रे बुधवार को शासकीय रामानुज प्रताप सिंह देव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुंठपुर पहुंचकर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव पर स्थित है जहां से आप अपने जीवन का मार्ग चुन सकते हैं ऐसे में अत्यंत ही सजग और सचेत रहने की आवश्यकता है, अपना लक्ष्य निर्धारण करें समय प्रबंधन पर ध्यान दें और अनुशासन में रहते हुए कठिन परिश्रम के बल पर अपने मंजिल को प्राप्त करें। समय अत्यंत मूल्यवान है इसे व्यर्थ न जाने दें बीता हुआ समय वापस नहीं आता है केवल पछतावा शेष रहता है।

पुलिस अधीक्षक ने नशा मुक्ति पर व्यापक रूप से जोर देते हुए कहा कि नशा नाश का जड़ है इसे किसी भी रूप में नहीं अपनाना चाहिए और यदि घर में भी कोई इसके शिकार हैं तो उन्हें भी नशा छोड़कर सही मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित करें। साथ ही यदि आपकी जानकारी में जिले में कहीं भी अवैध नशीले पदार्थों का विक्रय होता है तो पुलिस को सूचित करें आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।साइबर जागरूकता से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए बताए कि वर्तमान समय में व्यापक पैमाने पर लोग साइबर अपराध के शिकार हो रहे हैं जिससे बचने के लिए हर समय जागरूक रहना चाहिए, सोशल मीडिया का उपयोग

सीमित करें जिसे न जाने उनसे वार्तालाप ना करें ना ही उनका फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट करें, अपना ओटीपी एवं पासवर्ड किसी से साझा ना करें, अननोन लिंक, फर्जी मेल, प्रलोभन देने वाले विज्ञापन, लॉटरी, कूपन के फेर में ना पड़ें। सड़क सुरक्षा जागरूकता से संबंधित बातों को गंभीरता से अमल करें खुद सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान करें। सड़क दुर्घटना अत्यंत ही कष्टदायक है जिस पर रोक लगाने हेतु सुरक्षा नियमों का पालन करें, नाबालिक होने की स्थिति में वाहन चालन ना करें। एसपी श्री कुर्रे ने जल संरक्षण, स्वच्छता, पाक्सो, प्लास्टिक का उपयोग और सही नस्टीकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आत्मविश्वास, परिवार के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण, अनुशासन एवं खेल के महत्व के बारे में अत्यंत ही सरल एवं सहज शब्दों में छात्रों को विस्तार से बताए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुरेशा चौबे द्वारा यातायात नियमों, एवं चिन्हों की जानकारी प्रदान करने के साथ ही नाबालिग छात्र-छात्राओं को वाहन न चलाने की समझाइश दी गई साथ ही 18 वर्ष से ऊपर की आयु होने पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के बाद वाहन चलाने के लिए कहा गया। यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, छात्र-छात्राओं व विद्यालयीन स्टाफ के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया गया, छात्रों को भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन ना करने के लिए संकल्पित किया गया।यातायात के अनिवार्य, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्ह की जानकारी के साथ यातायात संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए चौराहा पार करने का नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हॉर्न का उपयोग ना करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, ज़ेब्रा क्रॉसिंग रेलवे क्रॉसिंग, गुड समेरिटन, लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण, दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने के सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई एवं जीवन में यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई गई। जागरूकता कार्यक्रम पश्चात संस्था के प्राचार्य एवं स्टाफ द्वारा राष्ट्रपति पदक प्राप्त कर जिले एवं प्रदेश को गौरवान्वित करने पर पुलिस अधीक्षक को शाल एवं श्रीफल भेंटकर महाविद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। उक्त संपूर्ण जागरूकता अभियान के दौरान उप पुलिस अधीक्षक श्री श्याम मधुकर, प्राचार्य डॉक्टर एम.सी. हिमधर, सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रीति गुप्ता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनुरंजन कुजूर, महाविद्यालय के कार्यालय प्रमुख आरिफ ढ़ेवर, यातायात प्रभारी उप निरीक्षक बीरबल राजवाड़े, हवलदार महेश मिश्रा के साथ महाविद्यालयीन स्टाफ एवं काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वनाँचल में आन-बान-शान से फहराया गया तिरंगा

गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

जनकपुर। सोमवार को गणतंत्र दिवस समारोह भरतपुर ब्लाक के पूरे क्षेत्र में उल्लास, उमंग और धूमधाम से मनाया गया। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायत कार्यालयों, विभिन्न संस्थाओं व शासकीय कार्यालयों में गरिमापूर्ण समारोह आयोजित कर आन-बान-शान से तिरंगा फहराया गया और सलामी दी गई। वहीं विभिन्न संस्थाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। गणतंत्र दिवस पर न्यू लाइफ इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल में संस्थापक पी. एन. पटेल ने ध्वज फहराकर सलामी ली और सामूहिक राष्ट्रगान का गायन कर ध्वज वंदन किया। इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर पंचायत कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह उल्लास पूर्वक मनाया गया। यहां अध्यक्ष कौशल पटेल ने उपाध्यक्ष नीलेश मिश्रा एवं वार्ड पार्षदों तथा स्टॉप और गणमान्य नागरिकों के उपस्थिति में ध्वजा रोहण किया गया। सेमरिहा पंचायत भवन में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। सरपंच लालजीत सिंह द्वारा आन-बान-शान से ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात मिष्ठान वितरण फिर उदबोधन संवाद किया गया।

आधार-पैन बदलकर सी एम पी एफ,ग्रेजुटी हड़पी

बुर्के में रखैल को ऑफिस ले जाकर पत्नी बताया

चरचा कॉलरी। कहते हैं प्यार अंधा होता है, लेकिन थाना चरचा के इस मामले में तो प्यार ने कानून को भी चकमा देने की कोशिश कर डाली। एसईसीएल चरचा के सेवानिवृत्त कर्मचारी कलामुद्दीन खान ने अपनी असली पत्नी को धोखा देने के लिए ऐसी तरकीब अपनाई कि पुलिस भी चौंक गई।मामला तब सामने आया जब पण्डोपारा निवासी 52 वर्षीय नसीमा बेगम ने थाना चरचा में शिकायत दर्ज कराई कि सेवानिवृत होने के बाद उसके पति कलामुद्दीन खान ने अपनी बिना निकाह की रखैल पत्नी कुन्ती को बुर्का पहनाकर एसईसीएल ऑफिस ले गया और वहां मेरी अर्थात वास्तविक पत्नी के नाम से , ग्रेज्युटी, पेंशन व अन्य मदों की राशि निकलवा ली।पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि कलामुद्दीन ने नसीमा बेगम के आधार कार्ड और पैन कार्ड में फोटो एडिट कर अपनी रखैल कुन्ती की फोटो लगा दी थी। मजेदार बात यह रही कि एसईसीएल चर्चा में कर्मचारियों के दस्तावेजों में पत्नी की वास्तविक फोटो नहीं रहती इसलिए कर्मचारी जिसे साथ लेकर जाएगा उसे ही पत्नी मान लिया जाता है पुलिस जांच में यह पता चला कि नसीमा बेगम का वास्तविक आधार नंबर 3451 9858 7214 और पैन नंबर CH ZPNz068D है। जबकि एसईसीएल चर्चा चरचा ऑफिस में पेश किया गया आधार नंबर 2149 8988 3840 और पैन नंबर QCUPK9879R जो कि कुन्ती के दस्तावेज हैं इस प्रकार नाम नसीमा का, फोटो कुन्ती का और पैसा सीधा खाते में! शिकायत की गंभीरता को देखते हुए थाना चर्चा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेशा चौबे एवं एसडीओपी राजेश साहू के निर्देशन मे 28 जनवरी 2026 को आरोपी पति कलामुद्दीन खान (60 वर्ष) एवं उसकी रखैल कुन्ती (45 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पाण्डेय सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही जिसमें अमित त्रिपाठी, बृजेश सिंह, अजय राजवाड़े, प्रदीप श्याम, भोलाराम जगत, वेदप्रकाश, राजकुमार खाखा, महिला आरक्षक रामकुमारी, रंजना, सैनिक सतीश सिंह एवं रविदास शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि यह मामला न केवल आर्थिक धोखाधड़ी का है, बल्कि सरकारी संस्थानों में दस्तावेज सत्यापन की लापरवाही पर भी सवाल खड़े करता है।रखैल को पत्नी बनाकर सरकारी दफ्तर ले जाना, और आधार-पैन बदलकर पेंशन उड़ाना... आखिरकार कानून की नजर से बच नहीं सका।

जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने किया ध्वजारोहण

कोरिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला पंचायत कोरिया परिसर में समारोहपूर्वक ध्वजारोहण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने तिरंगा फहराकर कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी एवं उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्री पैकरा ने गणतंत्र दिवस को अधिकारों एवं कर्तव्यों की स्मृति का पर्व बताया। उपाध्यक्ष श्रीमती राजवाड़े ने 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अधिकारियों-कर्मचारियों से निष्ठापूर्वक कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड ने गणतंत्र दिवस पर चिरमिरी क्षेत्र में 1,500 से अधिक स्कूल बैग वितरित किए

प्राथमिक विद्यालयों को 300 से अधिक ड्यूल डेस्क-बेंच प्रदान करने की प्रतिबद्धता

चिरमिरी। अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तथा चिरमिरी एवं आसपास के गांवों में सामुदायिक हित से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर इस पावन दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। समारोह के तहत कंपनी द्वारा 1,500 से अधिक विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए तथा आगामी दिनों में प्राथमिक विद्यालयों को 300 से अधिक ड्यूल डेस्क-बेंच उपलब्ध कराने की घोषणा की गई, जिससे क्षेत्र में शिक्षा और सामाजिक विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पुनः स्पष्ट होती है।

ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात, क्षेत्र के 23 विद्यालयों के प्राथमिक से लेकर हाई स्कूल स्तर तक के विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करना तथा उन्हें निरंतर अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करना है। विद्यालयों की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के क्रम में अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि 31 जनवरी तक ड्यूल डेस्क-बेंच का वितरण किया जाएगा। इससे उन प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जहां वर्तमान में बच्चे कक्षा के दौरान जमीन पर टाट-पट्टी पर बैठने को मजबूर हैं। विद्यालयों द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोहों में भी अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड ने सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों को मिठाइयाँ और स्कूल बैग वितरित किए, जिससे उत्सव का माहौल और अधिक आनंदमय हो गया। कंपनी के एक प्रतिनिधि ने कहा गणतंत्र दिवस हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है। इस प्रकार की पहलों के माध्यम से हम शिक्षा को सहयोग देने और चिरमिरी एवं आसपास के समुदायों में सकारात्मक और दीर्घकालिक प्रभाव डालने का प्रयास करते हैं। इन पहलों के माध्यम से अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड स्थानीय समुदायों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करते हुए समावेशी एवं सतत विकास में निरंतर योगदान दे रहा है।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में धान खरीदी कार्य सुव्यवस्थित रूप से जारी

कोरिया/बैकुंठपुर। कोरिया जिले में शासन की महत्वाकांक्षी धान खरीदी योजना के अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य तेजी से और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले की आदिम जाति सेवा सहकारी समिति, के प्राधिकृत अधिकारी रवि शर्मा , भाजपा के वरिष्ठ नेता जवाहर गुप्ता तथा कार्य में लगे राजस्व निरीक्षक पटवारी योगेश गुप्ता तथा कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा धान खरीदी का कार्य शासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। समिति द्वारा यह विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि क्षेत्र के कृषकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो सके।

धान खरीदी प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से समिति में धान जमा करने से पूर्व किसानों एवं उनके धान का विधिवत सत्यापन किया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किसानों की पंजीयन स्थिति, दस्तावेजों तथा लाए गए धान की मात्रा की जांच की जा रही है। सत्यापन उपरांत ही धान की खरीदी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता की संभावना को रोका जा सके। शासन के निर्देशानुसार धान के वजन की सटीकता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक एवं मानक तराजुओं के माध्यम से वजन किया जा रहा है तथा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि उपयोग में लाए जाने वाले बारदाने पर स्टेंसिल अंकित हो, जिससे धान की पहचान एवं रिकॉर्ड संधारण में किसी प्रकार की समस्या न आए। समिति प्रबंधन द्वारा पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है। धान खरीदी के दौरान गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। नमी रहित एवं निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप धान की ही स्वीकृति की जा रही है। धान की गहन जांच की जा रही है और जो धान शासन द्वारा तय मापदंडों पर खरा नहीं उतरता, उसे तत्काल किसानों को वापस किया जा रहा है। वहीं, यदि धान संदिग्ध पाया जाता है, तो नियमानुसार जब्ती पत्रक बनाने की कार्रवाई भी की जा रही है, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो, इसके लिए समय-समय पर संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान धान खरीदी की प्रत्येक प्रक्रिया, रिकॉर्ड संधारण, वजन प्रणाली एवं गुणवत्ता जांच की बारीकी से समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं। कुल मिलाकर पटना आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में धान खरीदी का कार्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुचारू, पारदर्शी एवं किसान-हितैषी तरीके से संचालित किया जा रहा है। इससे क्षेत्र के कृषकों में संतोष का वातावरण बना हुआ है और उन्हें सरकारी व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। किसानों को उम्मीद है कि इस पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से उन्हें उनकी मेहनत का उचित मूल्य समय पर प्राप्त होगा।

अपूर्ण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

कोरिया। कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की अध्यक्ष श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में एकल एवं समूह नल-जल योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने ठेकेदारों को निर्देशित किया कि वे गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें तथा पानी टंकी, नल कनेक्शन सहित सभी अधोसंरचना कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ऊर्जा विभाग, क्रेडा एवं ठेकेदारों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में 80 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके ग्रामों एवं बसाहटों की विशेष समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में अब तक कुल 315 योजनाएं भौतिक रूप से पूर्ण हो चुकी हैं, जिनमें से 148 योजनाएं हस्तांतरण की स्थिति में हैं। इनमें से 97 योजनाओं का हस्तांतरण पूर्ण किया जा चुका है। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि जल जीवन मिशन राज्य एवं केन्द्र सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्माणाधीन कार्यों को समय पर पूर्ण करना आवश्यक है। इस योजना के तहत प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों को मिशन मोड में संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में सम्बंधित विभागों के अधिकारी, ठेकेदार उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

बलरामपुर। जिले में 76वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बलरामपुर प्रेस क्लब मुख्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रेस क्लब की उपाध्यक्ष एवं जिले के वरिष्ठ पत्रकार विकास केसरी ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेस क्लब के संरक्षक सतीश गुप्ता एवं प्रेस क्लब के अध्यक्ष बैजनाथ केसरी ने जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। यह दिन हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने पत्रकारों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, खासकर वर्तमान समय में। प्रेस क्लब के संजय गुप्ता, राजू ठाकुर ने कहा कि पत्रकार समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य करता है। निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता ही मजबूत लोकतंत्र की नींव है।

स्वरोजगार से सशक्त बनी अंजना, प्रधानमंत्री आवास के सपनों को दे रहीं आकार

कोरिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए संचालित स्वरोजगार एवं जनहितकारी योजनाएं अब केवल नीतिगत परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर आम नागरिकों के जीवन में संघर्ष से सुकून की ओर बढ़ते परिवर्तन की सशक्त मिसाल बन रही हैं। प्रधानमंत्री सृजन स्वरोजगार योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर बनकर एक सफल उद्यमी के रूप में पहचान स्थापित करने वाली ग्राम पंचायत तोलगा निवासी श्रीमती अंजना आज प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के लिए संसाधन प्रदाता बन चुकी हैं। वे न केवल महिला सशक्तिकरण का प्रेरक उदाहरण हैं, बल्कि अपने गांव एवं आसपास के वंचित परिवारों के लिए सुकून की छांव भी बन रही हैं। कोरिया जिले के ग्राम पंचायत तोलगा में निवासरत श्रीमती अंजना उरांव जनपद पंचायत खड़गवां में अंशकालिक कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं। स्नातकोत्तर शिक्षित अंजना के पति श्री अनिल कुमार एक सामान्य कृषक हैं। अत्यंत साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली अंजना ने प्रधानमंत्री सृजन स्वरोजगार योजना के माध्यम से आज एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। श्रीमती अंजना ने गत वर्ष प्रधानमंत्री सृजन स्वरोजगार योजना से जुड़कर फ्लाई ऐश ईंट निर्माण की इकाई स्थापित की। अक्टूबर 2025 से उनकी इकाई में नियमित उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। उनके द्वारा निर्मित ईंटों की सर्वाधिक मांग आसपास के गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बन रहे आवासों में हो रही है। उनका यह उद्यम अब केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि वंचित वर्ग के लिए स्थायी और सुरक्षित आवास निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रत्येक परिवार का सपना होता है कि उसका अपना पक्का घर हो। इस सपने को साकार करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना संचालित की जा रही है। कोरिया जिले में इस योजना के अंतर्गत हजारों आवास निर्माणाधीन हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर अमृत सरोवरों में फहराया तिरंगा

कोरिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कोरिया जिले के सभी 57 अमृत सरोवरों के तट पर जनसहभागिता के साथ ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं, युवाओं एवं श्रमिकों की सहभागिता रही। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों में प्रभात फेरी एवं जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालयीन छात्र-छात्राएँ एवं बिहान से जुड़ी महिलाएँ शामिल हुईं। रैली के माध्यम से विकसित भारत जीरामजी (वीबी जीरामजी) योजना की जानकारी दी गई तथा 125 दिवस की अकुशल श्रम गारंटी योजना के लाभों से ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

सराहनीय सेवा | पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे को महामहिम ने दिया राष्ट्रीय भारतीय पुलिस पदक

चरचा कॉलरी। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे को उनकी सराहनीय एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय सम्मान भारतीय पुलिस पदक से सम्मानित किया गया।यह पदक भारत के महामहिम राष्ट्रपति की स्वीकृति से प्रदान किया गया, जिसे समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रामेन डेका ने प्रदान किया।

जिला मुख्यालय पहुंचने पर कृष्ण विभूति तिवारी संभागीय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ ,नीरज गुप्ता संरक्षक जिला जर्नलिस्ट प्रेस क्लब कोरिया,, प्रियंका सिंह मंडल महामंत्री शिवपुर चरचा ,धर्मेंद्र सिंह वरिष्ठ पत्रकार , नगर पालिका शिवपुर चर्चा की महिला नेत्री श्रीमती उर्मिला सिंह,शिल्पा शर्मा,साक्षी सिंह, सिमरन,पूनम आदि के द्वारा सम्मान स्वरुप शॉल व बुके भेंटकर बधाई दी गई। विदित हो कि पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्रे ने अभी

भाजी मध्य प्रदेश के दौर से वर्ष 1998 में पुलिस विभाग में अपनी सेवाएँ प्रारंभ की थीं। अपने 27 वर्षों के दीर्घ सेवाकाल में उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में रहकर कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा और अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। -एस डी ओ से लेकर पुलिस अधीक्षक तक विभिन्न जिलों में प्रभावी भूमिका-अपने सेवाकाल के दौरान श्री कुर्रे ने SDOP के पद पर रहते हुए क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग का उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात उन्होंने जिला कोटा, खैरागढ़, जगदलपुर, गरियाबंद,तथा पुलिस प्रशिक्षण संस्थान मैनपाट सहित अन्य स्थानों पर भी अपनी सेवाएँ दीं। लगभग 17 वर्षों तक उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों प्रभावित क्षेत्रों में भी उन्होंने साहस, सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान में कोरिया जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ श्री कुर्रे के कार्यकाल में अपराधों पर काफी हद तक नियंत्रण किया गया,नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किए गए,अवैध मादक पदार्थों की बिक्री व तस्करी पर सख्त कार्रवाई जैसे कार्यों से जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। सरल, सहज और जन-हितैषी स्वभाव के पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे आम जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनते हैं और त्वरित समाधान सुनिश्चित करते हैं। यही कारण है कि वे पुलिस बल के साथ-साथ नागरिकों में भी अत्यंत लोकप्रिय हैं। पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे ने कहा कि हर पुलिस अधिकारी कर्मचारी के लिए राष्टपति पुरुस्कार मिलना बहुत बड़ा सपना होता है और जिसको मिलता है वह उसका महत्व जानते हैं राष्ट्रपति सम्मान से और अच्छे तरीके से कार्य करने की प्रेरणा मिलती है, हमे पूरी निष्ठा के साथ अपने विभाग में कार्य करना चाहिए,, जिले के सभी विभागीय कर्मचारियों से अपेक्षा है कि इमानदारी से अपने पद व दायित्व का निर्वहन करते हुए जनता की सेवा पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करें। पुलिस अधीक्षक कोरिया को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए भारतीय पुलिस पदक से सम्मानित किए जाने पर जिले में हर्ष का माहौल है। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों द्वारा उन्हें लगातार बधाई और शुभकामनाएँ दी जा रही हैं। रवि कुमार कुर्रे को मिला यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम और समर्पण का प्रतीक है, बल्कि कोरिया जिले की पुलिस व्यवस्था के लिए भी गर्व का विषय है।

पुल चोरी मामले में तीन और एफआईआर दर्ज

कोरबा। सीएसईबी पुलिस चौकी क्षेत्र के ढोढ़ीपारा रशियन हॉस्टल इलाके के नजदीक पिछले दिनों नहर आधारित लोहे के पुल की चोरी के मामले में पुलिस ने तीन और नई एफआईआर दर्ज की है। बालको और नगर निगम भी इनमें प्रार्थी है। खबर के अनुसार कबाड़ चोरों ने न केवल लोहे के पुल को काटकर क्षति पहुंचाई बल्कि उन्होंने कई तरह के खतरे भी पैदा कर दिए। पुल चोरी के मामले को लेकर जब पुलिस ने जांच-पड़ताल की तो कई चौकाने वाली चीजें सामने आई। मालूम चला कि इसी इलाके से होकर शहरी क्षेत्र की जलापूर्ति के लिए जो पाइप लाइन नगर निगम की ओर से बिछाई गई है उसके कई पिलर को भी चोरों ने नुकसान पहुंचाया। अगर वे अपनी योजना में सफल होते तो गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती थी। बालको प्रबंधन ने भी इसी आधार पर शिकायत दर्ज कराई है जिस पर कबाड़ चोरों पर अपराध दर्ज किया गया। इससे पहले मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि 7 की तलाश जारी है।

एसआईआर की प्रक्रिया के बाद 1500 लोगों के नाम काटने के आवेदन ने मचाई हड़कंप, बढ़ी बेचैनी

सोशल साइट पर वायरल हुई सूची, प्रशासन ने कहा- मामला संज्ञान में

फाइल फोटो

कोरबा। स्पेशल इंसेंटिव रिलिजन (एसआईआर) की प्रारंभिक प्रक्रिया किसी तरह पूरी हुई। वार्ड स्तर पर बीएलओ के भ्रमण से लेकर कुछ मामलों में लोगों के सामने भी चक्कर काटने की समस्याएं आई। आखिरकार यह प्रक्रिया ले-देकर संपन्न हुई। समयसीमा में दो बर बढ़ोत्तरी के साथ लोगों की चिंता खत्म हुई कि अब झंझट दूर हुई। अगली कड़ी में नोटिस ने उन्हें परेशान किया। कोरबा जिले के शहरी क्षेत्र में नया मसला ये है कि लगभग 1500 लोगों के नाम सूची से विलोपित करने के लिए आवेदन दिए गए हैं। उनमें से दो फीसदी अन्य हैं और बाकी अल्पसंख्यक समुदाय के। यह जानकारी होने पर संबंधितों में बेचैनी बढ़ी हुई है कि उनका नाम विलोपित क्यों हुआ।

55 पेज में ऐसे लोगों के नाम शामिल हैं। सूची का अवलोकन करने पर पता चलता है कि ज्यादातर नाम शहरी और कुछ नाम ग्रामीण हिस्से से वास्ता रखते हैं। इनमें भी 98 फीसदी नाम अल्पसंख्यक केटेगरी में आने वाले खास लोगों के हैं। ऐसे नामों को सूची से हटाने के लिए फार्म-7 में आवेदन किया गया है। अलग-अलग क्षेत्र से इस तरह के फार्म जमा कराए जाने का दावा किया गया है। तरूण छत्तीसगढ़ के पास भी यह सूची प्राप्त हुई है। हालांकि इसकी प्रमाणिकता का आधार स्पष्ट नीं हुआ है। सूची से पता चलता है कि जिन नामों को शामिल किया गया है वे अधिकांशत: अल्पसंख्यक संवर्ग में आते हैं। ऐसे नामों को मतदाता सूची से विलोपित किए जाने के लिए अलग-अलग कॉलम में चीजें वर्णित की गई है। यथानुसार संबंधित व्यक्ति का इस क्षेत्र में रहना नहीं है। इस पते पर उसका निवास नहीं है। वह अन्य क्षेत्र का है अथवा बहुत समय पहले यहां से जा चुका है और यह भी कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में वह इस इलाके का मतदाता था ही नहीं। इस तरह के तथ्यों के साथ आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं। यह सूची सोशल साइट के कई प्लेटफार्म पर वायरल हो रही है। लोगों का ध्यान जब इस तरफ गया तो एक-दूसरे से होकर चीजें साझा हुई। संबंधितों ने एक-दूसरे से इस बारे में पूछताछ की।

खबर के अनुसार इस विषय की सत्यता और बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से विलोपित करने की खबर से परेशान होकर कुछ लोगों ने जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा है। एडीएम को दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि जो चीजें वायरल हो रही है और जो जानकारी हमारे पास आई है उससे चिंता होना स्वाभाविक है इसलिए आशंकाओं को दूर किया जाए और पूरे मामले की जांच की जाए।

जांच-पड़ताल होगी प्रक्रिया से

बड़ी संख्या में लोगों के नाम विलोपित किए जाने को लेकर सूची सोशल मीडिया पर वायरल है और ये विषय प्रशासन के संज्ञान में आया है। निश्चित रूप से प्रावधान के तहत हम ऐसे सभी आवेदनों की जांच-पड़ताल करेंगे। इसकी सत्यता का पता लगाया जाएगा। तथ्यों के साथ ही ऐसे मामलों में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। पात्र लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं।

-सरोज महिलांगे, एसडीएम कोरबा

चिकनीपाली, मुकुवा व केराकछार में हाथियों ने डाला डेरा, विभाग सतर्क

कोरबा। जिले के करतला, जटगा तथा पसरखेत रेंज में इन दिनों 75 हाथी अलग-अलग झुंडों में सक्रिय है। हाथियों के दल ने यहां के चिकनीपाली, मुकुवा तथा केराकछार को अपना सुरक्षित ठिकाना मानते हुए डेरा डाल दिया है। करतला रेंज के चिकनीपाली जंगल में 11 हाथी विगत एक पखवाड़े से जमे हुए हैं जबकि कटघोरा वनमंडल अंतर्गत स्थित जटगा रेंज के मुकुवा क्षेत्र में 49 हाथी पहाड़ पर विचरण कर रहे हैं। हाथियों के इस दल को क्षेत्र में एक माह से भी अधिक समय से देखा जा रहा है। वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक हाथियों का यह दल पहाड़ पर ही रहता है। केवल पानी पीने के लिए नीचे उतरता है और इसके बाद वापस लौटकर पहाड़ पर विश्राम करने लगता है।

कोरबा वनमंडल के पसरखेत रेंज में 15 हाथी मौजूद हैं, जो कि केराकछार क्षेत्र में विगत 4 दिनों से डेरा डाले हुए हैं। बताया जाता है कि हाथियों के इस दल में शावक हाथी भी है जिसकी वजह से यह दल ज्यादा दूरी तय करने के बजाय कम दूरी पर जाने के बाद वहां रूक जाता है। इससे पहले हाथियों का यह दल कोरबा रेंज के बताती व गेरांव क्षेत्र में दो दिनों तक डेरा डाला हुआ था। हाथियों के दल द्वारा कोई बड़ा नुकसान न कर दे इसके लिए वन विभाग सतर्कता बरत रहा है और हाथियों की निगरानी करने के साथ उसकी मौजूदगी वाले क्षेत्र में स्थित गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क करने का अभियान लगातार जारी रखा है।

भादा कैंप में एनसीसी कैडेट्स को मिली ट्रैफिक रूल्स की जानकारी

कोरबा। नेशनल कैडेट कोर सीजी बटालियन-1 कोरबा ने अपने कैडेट्स के लिए उरगा के नजदीक भादा गांव में विशेष शिविर का आयोजन किया है। एनसीसी अधिकारी एनके तिवारी और सहयोगियों के द्वारा कैडेट्स को अनुशासन, संस्कार, सुरक्षा और सेवा भाव के साथ देशभक्ति से जुड़े पहलुओं पर ज्ञानवर्धन किया गया। उन्हें बताया गया कि हमारे लिए सबसे पहले राष्ट्र होना चाहिए। इसकी प्राचीनता और विरासत को भी कैडेट्स ने भलीभांति जाना। गणतंत्र के वास्तविक मायने की भी जानकारी उन्हें हुई।

एनसीसी के इस शिविर में कैडेट्स को ट्रैफिक रूल्स के संबंध में एएसआई मनोज राठौर के द्वारा जानकारी दी गई। उन्हें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत ट्रैफिक की टीम विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग कार्यक्रम कर रही है। इसके जरिए जन सामान्य को यह बताया जा रहा है कि सड़क हादसे कुल मिलाकर लापरवाही से होते हैं। जरा सी भी असावधानी जानलेवा हो सकती है या फिर इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए सड़कों पर आवाजाही के दौरान पर्याप्त सतर्कता रखने क मानसिकता बनाएं। दोपहिया में चलने के समय हेलमेट और चारपहिया व अन्य गाड़ियों में सीट बेल्ट का उपयोग जरूर किया जाए। यह आपात स्थिति से आपको बचाने का काम करती है। शिविर के अंतर्गत आयोजकों ने श्री राठौर का सम्मान भी किया। 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा जागरूकता पर जिले के अन्य-अन्य हिस्से में गतिविधियां होंगी।

परिक्षेत्र स्तरीय खो-खो टूर्नामेंट में दिखाया दम

जीवन का अनिवार्य अंक है खेल : मृगेश

कोरबा। शासकीय महाविद्यालय करतला द्वारा परिक्षेत्र स्तरीय खो-खो पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी आत्मानंद स्कूल स्टेडियम करतला में किया गया।

कोरबा जिले से 5 टीमों में शासकीय ई. वी. पी. जी. महाविद्यालय कोरबा,स्वर्गीय प्यारेलाल कंवर शासकीय महाविद्यालय भैंसमा , शासकीय महाविद्यालय पाली, शासकीय महाविद्यालय करतला , कमला नेहरू महाविद्यालय- कोरबा ने सहयोगिता की। परिक्षेत्र स्तरीय खो- खो प्रतियोगिता (पुरुष) का फाइनल मैच शासकीय ईवीपीजी महाविद्यालय कोरबा एवं स्वर्गीय प्यारेलाल कंवर शासकीय महाविद्यालय भैंसमा के मध्य हुआ । दोनों के बीच काफी रोमांचक मैच हुआ , प्रतियोगिता के विजेता शासकीय महाविद्यालय भैंसमा की टीम एवं उपविजेता पीजी कॉलेज कोरबा की टीम रही। कार्यक्रम के मुख्य अभ्यागत समाजसेवी आकाश कुमार सक्सेना एवं अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य मृगेश कुमार यादव ने की। वरिष्ठ क्रीड़ाधिकारी बोगीशंकर राव कार्यक्रम को सफलता पूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मृगेश कुमार यादव ने छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि खो खो भारत की मिट्टी से जुड़ा खेल है एवं इसमें सहभागिता करना गौरव का विषय है। मुख्य अतिथि के रूप में आकाश सक्सेना उपस्थित रहे । उन्होंने खेलों को जीवन का अनिवार्य अंग बताया। मंच संचालन डॉ. संजय कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संपूर्ण महाविद्यालय ने अपना सहयोग प्रदान किया । संपूर्ण आयोजन का नेतृत्व डॉ. सपना मिश्रा एवं आकाश यादव के द्वारा किया गया। परिक्षेत्र स्तरीय आयोजक महाविद्यालय करतला के द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए सभी महाविद्यालय से चयनित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। तत्पश्चात कोरबा जिले से राज्य स्तरीय टीम अंबागढ़ चौकी में सहभागिता करेगी।

कल अनेकों स्थानों पर कांग्रेसी करेंगे प्रदर्शन

कोरबा। धान खरीदी की तारीख बढ़ाने एवं टोकन नहीं मिलने के कारण किसान नाराज हैं। किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ता कल सभी ब्लॉकों में अलग-अलग धरना प्रदर्शन करेंगे। जिसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज चौहान ने बताया कि किसानों को धान बेचने में काफी परेशानी हो रही है। अभी तक किसानों के धान विक्रय नहीं हो पाए हैं। कई ऐसे किसान हैं जिनको टोकन नहीं मिला है। इन सभी मामलों को लेकर ब्लॉकों में धरने दिए जाएंगे। बांकी चौक में कल संजय आजाद के नेतृत्व में प्रदर्शन होगा। इस दौरान राजेश मानिकपुरी, प्रदीप अग्रवाल, यशपाल कंवर, धनंजय दीवान, भुनेश्वरी दास, फिरोज अनंत, अजय प्रसाद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। दीपका ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप सिंह, विशाल शुक्ला के द्वारा भी धरना प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है। दीपका चौक में कांग्रेसी धरने पर बैठेंगे। जबकि कटघोरा ग्रामीण व कटघोरा में अशरफ मेमन, गोरेलाल यादव के नेतृत्व में तैयारी की जा रही है। इस धरना प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता रहमान खान, सद्दाम, कुणाल आजाद सहित अन्य कार्यकर्ता भी सहयोग करेंगे।

प्रतिनिधि मंडल प्रबंधन से मिला

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व केंद्रीय कर्मशाला में संडे ड्यूटी नहीं मिलने से कोयला कामगार परेशान हैं। जबकि गेवरा केंद्रीय कर्मशाला में कामगारों को दो संडे ड्यूटी मिल रहा है। जेसीसी सदस्य दिलीप सिंह, संतोष टंडन, राजेश पांडेय, राजेंद्र यादव, दूजराम मिलने के नेतृत्व में सभी सदस्य प्रबंधन से जाकर मुलाकात की। प्रबंधन ने आश्वासन देते हुए कहा कि संडे ड्यूटी के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। फरवरी व मार्च माह में तीन-तीन संडे ड्यूटी दिए जाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रबंधन के सामने अन्य समस्याओं को भी रखा गया।

शारदा विहार में कलश यात्रा भागवत आज से

कोरबा। नमो पार्क के सामने एलआईजी-69 में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आज शाम से शुरू होगा। इससे पहले आज सुबह महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। तालाब से जल लाने के बाद वरूण पूजन किया गया। आयोजक देवेंद्र श्रीवास ने बताया कि सात दिन तक होने वाले इस अनुष्ठान में पं. अनिल शर्मा के द्वारा कथा वाचन किया जाएगा। 5 फरवरी तक यह कार्यक्रम चलेगा। अंतिम दिवस हवन-पूजन सहस्त्रधारा के साथ भंडारा होगा। श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराने का आग्रह किया गया है।

अशोक चावलानी को मिली सिंधी पंचायत की कमान

कोरबा। सिंधी पंचायत के द्विवार्षिक चुनाव सिंधु भवन में संपन्न हुआ। भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना के साथ आगे की कार्यवाही की गई। इस मौके पर सर्वसम्मति से अशोक चावलानी को अध्यक्ष चुन लिया गया। उनका कार्यकाल दो वर्ष का होगा। बैठक का संचालन आनंद राम बुधवानी ने किया।

कार्यवाहक अध्यक्ष चंदन दास कोटवानी ने अपनी बात रखी। कोषाध्यक्ष मनोज जेठानी ने वित्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। झूलेलाल सिंधी सेवा मंडल के अध्यक्ष संतोष वाधवानी ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया। रवि सचदेव ने यूथ विंग के कार्यों की जानकारी दी। इसी क्रम में सचिव नरेश जगवानी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। नरेश जगवानी एवं पूर्व अध्यक्ष किशन चंद दावड़ा ने लोगों के सवालों के जवाब दिए। प्रक्रियाओं के अंतर्गत अध्यक्ष पद के उम्मीदवार राजकुमार ज्ञानचंदानी व संतोष वाधवानी ने अपनी दावेदारी वापस ली। उक्तानुसार अशोक चावलानी को वर्ष 2026-27 के लिए अध्यक्ष घोषित किया गया। संरक्षक द्वय मुरलीधर माखिजा एवं कंवरलाल मनवानी ने अपनी बात रखी। नए अध्यक्ष अशोक चावलानी ने कहा कि वे पूरी क्षमता से कार्य करेंगे और नई ऊंचाई देने का प्रयास करेंगे।

1200 मेगावॉट व्हीएलसीटीपीपी की प्रथम इकाई का पीएलएफ 92 फीसदी से अधिक

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर व्हीएलसीटीपीपी ने किया समारोह आयोजित

सक्ती। 77वां गणतंत्र दिवस समारोह वेदांता लिमिटेड छत्तीसगढ़ थर्मल पावर प्लांट (व्हीएलसीटीपीपी) प्रबंधन ने धूमधाम से आयोजित किया। वेदांता लिमिटेड द्वारा ग्राम सिंघीतराई में अधिग्रहित 1200 मेगावॉट विद्युत संयंत्र की 600 मेगावॉट क्षमता की पहली इकाई का प्रचालन प्रारंभ हो चुका है।

संयंत्र परिसर में आयोजित समारोह में व्हीएलसीटीपीपी के मुख्य प्रचालन अधिकारी देवेंद्र कुमार पटेल ने व्हीएलसीटीपीपी परिवार के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि वेदांता समूह ने अपने निवेश से बरसों से बंद पड़े संयंत्र का कायाकल्प करके उससे उत्पादन प्रारंभ कर दिया है जिसकी पहली इकाई से वर्तमान में 600 मेगावॉट विद्युत का उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें देश के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर योगदान करना है ताकि औद्योगिक प्रगति के क्षेत्र में हमारा देश दुनिया के लिए मिसाल बने। श्री पटेल ने सलामी गारद का निरीक्षण कर तिरंगा फहराया।

समारोह में श्री पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्हीएलसीटीपीपी और बिजनेस पार्टनर के अधिकारियों-कर्मचारियों की एकजुटता से पहली इकाई ने नवंबर-2025 में 92 प्रतिशत से अधिक प्लांट लोड फैक्टर हासिल किया। यह उपलब्धि व्हीएलसीटीपीपी टीम की उच्च कुशलता, प्रबंधन उत्कृष्टता, संसाधनों के बेहतरीन प्रयोग और संयंत्र की निरंतरता का परिचायक है जिससे व्हीएलसीटीपीपी देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में योगदान कर रहा है। उन्होंने व्हीएलसीटीपीपी परिवार का आह्वान करते हुए कहा कि हम एक ऐसी कंपनी बनाएं जिसकी उत्पादन लागत सबसे कम हो। हमारे लिए यह चुनौती है कि हम अपने संसाधनों का श्रेष्ठ इस्तेमाल करते हुए कंपनी की रणनीति और व्यावसायिक मानदंडों को पूरी दुनिया के लिए एक बेंचमार्क के तौर पर स्थापित करें। सुरक्षा मानदंडों से हमें कोई भी समझौता नहीं करना है। हमें अपनी कार्यशैली से संयंत्र को दुर्घटना शून्य बनाना है। श्री पटेल ने कहा कि संयंत्र की निरंतर प्रगति का लाभ आसपास के समुदायों को मिल रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में किए गए कार्यों से आसपास के गांव लाभान्वित हो रहे हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर औद्योगिक सुरक्षा, सिक्योरिटी और हॉस्पिटैलिटी आदि क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य प्रदर्शन करने वाले 50 कर्मचारी श्री पटेल एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के हाथों सम्मानित हुए। प्रशासन प्रमुख एवं उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रेम चंद्र झा ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण प्रमुख प्रियरंजन त्रिवेदी ने किया।

वेदांता समूह भारत के सबसे बड़े निजी थर्मल ऊर्जा उत्पादकों में से एक है, जिसके पास 12,000 मेगावाट से अधिक थर्मल पावर उत्पादन करने की क्षमता है। देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने और उत्पादन में केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए वेदांता पावर समर्पित है। वेदांता पावर के प्लांट मानसा, पंजाब (तलवंडी साबो पावर लिमिटेड), सिंघीतराई, छत्तीसगढ़ (वेदांता लिमिटेड छत्तीसगढ़ थर्मल पावर प्लांट), तिरुपति, आंध्र प्रदेश (मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड) और झारसुगुड़ा, ओडिशा (झारसुगुड़ा आईपीपी प्लांट) स्थित हैं। इन संयंत्रों की कुल स्थापित क्षमता 4,780 मेगावाट है, जो देश भर में विभिन्न डिस्कॉम, उपयोगिताओं और उद्योगों को ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं।

घायल मवेशियों का ईलाज किया

कोरबा। छूरी क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में 3 मवेशी घायल हो गए। इन मवेशियों को पशु चिकित्सालय ले जाया गया लेकिन चिकित्सालय बंद होने के कारण गौ सेवक विनोद देवांगन, अखिलेश देवांगन, रमेश श्रीवास, टिकैत डोंगरे ने खुद ही ईलाज किया। इन्होंने कहा कि कई दिनों से चिकित्सालय बंद है। लगातार इस क्षेत्र में मवेशी दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इनका इलाज जरूरी हो गया था। मवेशियों के इलाज के लिए लोग सामने आ रहे हैं।

मकान बेचना है
जय भोले
आर.पी.नगर कोरबा में एल.आई.जी. डबल स्टोरी मकान बेचना है।
संपर्क करें
प्रापर्टी डीलर
62681-46606

मधुरिमा ने सेनिटेशन कार्यों की स्थिति का जायजा लेकर संवाद किया अमले से

कोरबा। राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के राज्य सलाहकार श्रीमती मधुरिमा मसीह द्वारा आकांक्षी ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत जनमन के ग्राम पंचायत बिंझरा और गुड़रुमुड़ा में विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर परिवारों में निर्मित घरेलू शौचालय का डोर टू डोर भौतिक निरीक्षण किए और हितग्राहियों से चर्चा किए द्य बिंझरा के पंचायत भवन में सरपंच, सचिव, स्वच्छाग्राही समूह के दीदी व ग्रामीणजनो से चर्चा कर कचरा संग्रहण, घरेलू शौचालय का उपयोग, कचरा संग्रहण शुल्क लेने व ग्रामीणों में अधिक से अधिक जन जागरूकता लाने पर भी चर्चा किए। कचरा संग्रहण शेड का निरीक्षण के दौरान राज्य सलाहकार श्रीमती मधुरिमा मसीह द्वारा समूह के दीदियों के द्वारा किये जाने वाले कार्य पर खुशी जाहिर किए तत्पश्चात घरेलू शौचालय का निरक्षण किए। ग्राम पंचायत गुड़रुमुड़ा के बस्तीपारा व मांझीपारा में निर्मित घरेलू शौचालय का निरीक्षण के दौरान हितग्राहियों से निरंतर शौचालय के उपयोग करने को कहा । ग्राम पंचायत कोनकोना में निर्माणधीन फिकल स्लज ट्रिटमेंट प्लांट का निरीक्षण किए और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विमल धिरही जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा.) कोरबा जीवन लाल रावत व ब्लॉक टीम एस बी एम पोड़ी उपरोड़ा, संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, स्वच्छाग्रही समूह के सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com